

दैनिक अथाह

समाचार • विचार • विश्लेषण

आज 21 जून

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा...

02

विधायक, मेयर स्वास्थ्य व निगम अधिकारियों ने किया निरीक्षण

03

'अपने' देश में 'बेगाना' होने का दर्द

04

कोविड-19 महामारी में अनाथ हुये बच्चों को किसी भी...

06

सर्का बाजार

सोना ₹47,500 00.00
चांदी ₹ 713 00.00

मौसम

अधिकतम 34° (C-2)
न्यूनतम 25° (C-1)
सूर्यास्त 5.22 (C-4)
सूर्योदय 7.20 (C-4)

फास्ट ट्रेक

खुशखबर: देशभर में मुफ्त टीकाकरण आज से



अथाह ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सात जून को की गई घोषणा के अनुसार 21 जून सोमवार से देशभर में कोरोना रोधी टीकों की खुराकें मुफ्त लगने लगेगी। टीकाकरण के इस नए चरण में 18 साल से ज्यादा उम्र के सभी लोगों को निशुल्क खुराक दी जाएगी। इसका पूरा खर्च केंद्र सरकार उठाएगी। एक और अहम बात यह है कि अब कोविन एप पर पहले से पंजीयन कराना अनिवार्य नहीं है।

7वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज, इस बार की थीम

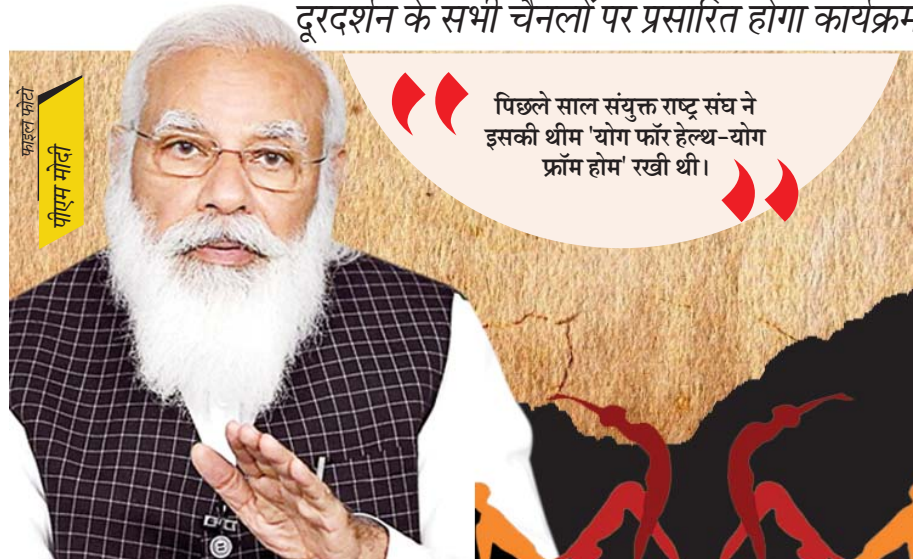
'योग फॉर वेलनेस' पीएम मोदी आज सुबह साढ़े 6 बजे संबोधित

आयोजन

- पहला विश्व योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया
- इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजपथ पर करीब 35,985 लोगों ने एक साथ योग किया था

अथाह ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को 7वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को सुबह 6 बजे करीब 30 मिनट पर संबोधित करेंगे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर बताया, आज 21 जून को हम 7वां योग दिवस मनाएंगे। इस वर्ष का विषय 'योग फॉर वेलनेस' है, जो शारीरिक और मानसिक कल्याण के लिए समर्पित होगा। कोरोना महामारी के चलते पूरा कार्यक्रम लाइव ही होगा। यानी इसका सीधा प्रसारण टीवी पर किया जाएगा।



बाहर कोई सामूहिक कार्यक्रम नहीं रखा गया है। दूरदर्शन के सभी चैनलों पर सुबह 6:30 बजे शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में आयुष राज्य मंत्री किरेन रिजिजू का संबोधन और मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के योग प्रदर्शन का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा।

दूरदर्शन के सभी चैनलों पर प्रसारित होगा कार्यक्रम

पिछले साल संयुक्त राष्ट्र संघ ने इसकी थीम 'योग फॉर हेल्थ-योग फ्रॉम होम' रखी थी।

कोरोना महामारी के बीच दूसरी बार योग दिवस: कोरोना महामारी के बीच इस बार दूसरा योग दिवस मनाया जाएगा। इससे पहले पिछले साल भी महामारी के बीच छठवें योग दिवस का आयोजन हुआ था। हालांकि, कोरोना के चलते यह फीका ही रहा। पिछले साल संयुक्त

राष्ट्र संघ ने इसकी थीम 'योग फॉर हेल्थ-योग फ्रॉम होम' रखी थी। इस

विश्व योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया। इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई दिल्ली के राजपथ पर करीब 35,985 लोगों ने एक साथ 35 मिनट तक तकरीबन 21 प्रकार के अलग-अलग योगासन किए थे।

केंद्र ने कहा: प्रमाणपत्र में मृत्यु का कारण

कोविड-19 बताने में किसी भी चूक पर दंडात्मक कार्रवाई होगी



कार्रवाई

कोर्ट से कहा है कि मृत्यु प्रमाणपत्र में मृत्यु का कारण कोविड-19 को बताने में किसी भी चूक के लिए जिम्मेदार पाए जाने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होगी, चाहे वह डॉक्टर ही क्यों न हो। सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में केंद्र सरकार ने कहा है कि यह अनिवार्य है कि कोविड-19 से होने वाली किसी भी मौत को कोविड मौत के रूप में प्रमाणित किया जाना चाहिए। ऐसा न करने पर प्रमाणित करने वाले डॉक्टर सहित सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। कोविड-19 मौतों को रिपोर्ट करने के लिए दिशा-निर्देशों का कोई भी उल्लंघन भारतीय दंड संहिता की धारा-188 के तहत अपराध माना

जाएगा। केंद्र ने कहा है कि कोविड-19 डायग्नोस होने पर होने वाली मौतों को कोविड मौतों के रूप में प्रमाणित किया जाना चाहिए। इस नियम का एकमात्र अपवाद यह है कि जब मृत्यु का एक स्पष्ट वैकल्पिक कारण हो, मसलन आकस्मिक आघात, विषाक्तता आदि। मालूम हो कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कहा था कि कोविड-19 वायरस से मरने वालों के मृत्यु प्रमाणपत्र में अक्सर तथ्यों को छुपाने की कोशिश की जाती है। कोर्ट ने कहा था ऐसी खबरें मिल रही हैं कि अस्पतालों में कोविड से मरने वाले व्यक्तियों के मृत्यु प्रमाणपत्र में फेफड़े या हृदय की समस्या आदि कारण बताए जाते हैं।

यूपी में दो महीने बाद आज से खुलेंगे मॉल व रेस्टोरेंट



अथाह ब्यूरो

लखनऊ। कोरोना काल में दो महीने बाद उत्तर प्रदेश में कल यानि 21 जून से रेस्टोरेंट और मॉल खुलेंगे। हालांकि कोविड प्रोटोकॉल का पूरा ख्याल रखना होगा। रेस्टोरेंट में 50 फीसदी लोग ही एक समय में रह सकते हैं। वहीं, एक सीट छोड़कर बैठने की व्यवस्था होगी। रात नौ बजे तक रेस्टोरेंट व मॉल खोले जा सकेंगे। इसके मिठाई और स्ट्रीट फूड की दुकानों में बैठकर और खड़े होकर खाने की अनुमति होगी। शहरों के बाजार और दुकानें अब सुबह सात से रात नौ बजे तक खुलेंगे। इससे दुकानदारों को बड़ी राहत मिली है।

अरविंद कुमार शर्मा के प्रदेश उपाध्यक्ष बनने के साथ ही खत्म हुई उप मुख्यमंत्री को लेकर अटकलें

संगठन- सरकार के काम की समीक्षा करने बीएल संतोष- राधा मोहन सिंह लखनऊ में

राजनीति

- पिछली बैठकों में दिये निर्देशों के क्रम में होगी समीक्षा, खाली पदों में से कितने भरे गये यह भी देखेंगे
- मंत्रिमंडल में फेरबदल को अभी अटकलों का बाजार अब भी गर्म

अथाह ब्यूरो

लखनऊ। सेवानिवृत्त आईएसएस एवं भाजपा के विधान परिषद सदस्य अरविंद कुमार शर्मा के प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष बनने के साथ ही उनकी मंत्रिमंडल में शामिल करने की

अटकलों पर स्वतः ही विराम लग गया। हालांकि प्रदेश मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें अब भी जारी हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन वीरल संतोष एवं प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राधा मोहन सिंह सोमवार को फिर लखनऊ के दो दिवसीय दौर पर आ रहे हैं। बता दें कि अरविंद कुमार शर्मा जब से प्रदेश की राजनीति में सक्रिय हुए थे तभी से उनके उप मुख्यमंत्री बनने की अटकलें तेज थीं। अब उनके प्रदेश उपाध्यक्ष बनने के बाद इन अटकलों पर विराम लग गया है। जबकि मंत्रिमंडल में फेरबदल को

लेकर चर्चाएं अब भी जारी हैं। इसी बीच सरकार ने जहां आयोगों एवं निगमों के खाली पदों को घोषणा कर यह बताने का प्रयास किया है कि संगठन के लंबे समय से

देव सिंह ने भी संगठन में मोर्चों के साथ ही मीडिया टीम एवं आईटी तथा सोशल मीडिया टीम की घोषणा कर यह बताने का प्रयास किया है कि संगठन के लंबे समय से

खाली पदों को भर दिया गया है। इसमें जिस प्रकार बसपा छोड़कर आये पूर्व राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सदस्य नरेंद्र कश्यप को जिस प्रकार पिछड़ा वर्ग मोर्चा एवं बुलंदशहर के अमित वाल्मीकि को क्षेत्र से उठाकर सीधे अनुसूचित जाति मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है उसने साबित किया है कि दोनों को ही महत्व मिला है। नरेंद्र कश्यप को लंबे इंतजार के बाद भाजपा में जिम्मेदारी मिली है। लेकिन सब का फल मीठा होता है यह साबित हो गया है। जिस प्रकार



अथाह संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। इकोटेक तीन कोतवाली क्षेत्र स्थित एएमसी अस्पताल में महिला के प्रसव के दौरान एक नर्स के हाथ से नवजात फिसलकर फर्श पर जा गिरा। इससे नवजात बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने यह बात परिजनों को नहीं बताई। नवजात को सांस लेने में दिक्कत की बात कहकर रेफर कर दिया। स्वजन जब हायर सेंटर पहुंचे तो पता चला कि नवजात की पहले ही मौत हो चुकी है। स्वजन ने एएमसी अस्पताल पहुंचकर हंगामा किया। मामले की शिकायत पर पुलिस ने नवजात के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि बहरामपुर गांव के रहने वाले अनुज चौहान ने

अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि बच्चे को सांस लेने में दिक्कत है। वेंटिलेटर की जरूरत है। उसे हायर सेंटर ले जाएं। हालांकि बच्चे की पहले ही मौत हो चुकी थी। वहीं एएमसी अस्पताल के स्वामी डॉ. मारुफ ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस मामले में कुछ कहा जा सकता है। पीड़ित ने बताया कि उसकी पत्नी ने बताया कि नवजात के पेटो होने के बाद वहां मौजूद एक नर्स के हाथ से बच्चा गिर गया। बच्चे की नाक से खून निकलने लगा था और उसकी मौत हो गई।

सीएमओ की संस्तुति के बाद दर्ज होगी रिपोर्ट: नवजात की पोस्टमार्टम रिपोर्ट सीएमओ को भेजी जाएगी। उसके बाद सीएमओ की तरफ से की जाने वाली संस्तुति के बाद ही मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज की जाएगी। इकोटेक तीन कोतवाली प्रभारी भुवनेश शर्मा ने कहा कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। बच्चे की मां के बयान दर्ज होंगे।

सीएम योगी ने दी प्रमोशन फॉर्मूला को मंजूरी शीघ्र जारी होगा यूपी बोर्ड का रिजल्ट लखनऊ (अ. ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद यानी यूपी बोर्ड की हाईस्कूल तथा इंटरमीडिएट परीक्षा 2021 का परिणाम अब शीघ्र ही जारी कर दिया जाएगा। 56 लाख से अधिक विद्यार्थियों का इंजामान सीएम योगी आदित्यनाथ की हरी झंडी के बाद अब समाप्त होने वाला है। यूपी बोर्ड हाईस्कूल व इंटर के 56 लाख विद्यार्थियों के प्रोन्नति का फामूला घोषित किया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा के बाद छात्रों को प्रमोट करने और परिणाम घोषित करने के फॉर्मूले की मंजूरी दे दी। उपमुख्यमंत्री तथा प्रदेश के माध्यमिक व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने बताया कि कुल 29 श्रेणियों के फॉर्मूला तय किया गया है, जिसके तहत अब रिजल्ट बने हैं। सभी फॉर्मेट पर काम चल रहा है, इसी कारण अब विलंब नहीं होगा।



प्राणायाम से बढ़ाये फेफड़ों की क्षमता पर गोष्ठी सम्पन्न



अथाह संवाददाता

गाजियाबाद। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'प्राणायाम से बढ़ाये फेफड़ों की क्षमता' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 237 वें वेबिनार था।

मुख्य वक्ता योगाचार्य सेवक जगवानी ने कहा कि कर्म हम धर्म के करते नहीं, इसलिए मर्म आते हैं, योग में ना रह कर के, भोग में रहते हैं इसलिए रोग आते हैं। हर व्यक्ति शासन करना चाहता है लेकिन अनुशासन में कोई रहना नहीं चाहता इस अनुशासनहीनता के कारण ही

सरकारी नौकरी के नाम पर दो लाख रुपये की हमी का मामला दर्ज

गाजियाबाद (अ.सं.)। गोविंदपुरम में रहने वाले एक व्यक्ति ने प्लेसमेंट एजेंसी संचालक के खिलाफ सरकारी नौकरी के नाम पर दो लाख रुपये की हमी का मामला दर्ज कराया है। कविनगर कोतवाली पुलिस ने तहरीर के अधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गोविंदपुरम में रहने वाले आकास त्यागी ने पुलिस को दिए शिकायत में बताया कि उनके एक जानकार अनिल त्यागी आरडीसी में प्लेसमेंट एजेंसी का संचालन करते हैं। वर्ष 2019 में उन्होंने नौकरी के लिए उनसे संपर्क किया था। उस समय उन्होंने बताया था कि लखनऊ में सरकारी नौकरी का विकल्प है। इसके लिए पांच लाख रुपये देने होंगे। इसमें दो लाख रुपये तो अग्रिम भुगतान होगा और बाकी रकम नौकरी की चिठी मिलने के बाद होगा। उन्होंने सरकारी नौकरी का लालच देखकर तीन फरवरी 2019 को चेक के माध्यम से आरोपी अनिल त्यागी को दो लाख रुपये का भुगतान कर दिया था। लेकिन तय समय पर ना तो उन्हें नौकरी मिली और ना ही पैसे ही वापस हुए। ऐसे में उन्होंने आरोपी के पास तगदा करना शुरू कर दिया। शुरू में तो आरोपी मामले को टालता रहा, लेकिन बाद में उन्हें रकम भूल जाने और दोबारा से तगदा करने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दी। करीब दो साल तक पुलिस ने जांच के नाम पर शिकायत को रोके रखा, लेकिन अब उसी तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है।

क्षेत्राधिकारी कविनगर अभय कुमार मिश्रा ने बताया कि तहरीर के अधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मजदूर के साथ माफपीट करने वाले दो आरोपियों को मेजा जेल

सरधना (अ.सं.)। थाना सरधना क्षेत्र के गांव राजपुर मोमन में काम पर न आने से नाराज दबंगों द्वारा की गयी मारपीट के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर दिया है। बलादे की राजपुर मोमन निवासी गौरव पुत्र राजकुमार ने बताया कि वह शुक्रवार की सुबह अपने घर में बैठा हुआ था तभी गांव के रहने वाले सागर पुत्र कल्लू हरपाल व राजवीर पुत्रगण सुखन, राहुल पुत्र राजवीर, गोलू पुत्र राजवीर एक राय मशवरा होकर अपने हाथों में धारदार हथियारों व अवैध तम्बन्हा लेकर मेरे घर में घुस आये थे और उनके बुलाए पते पर न जाने को लेकर उक्त आरोपियों ने मारपीट की थी। धारदार हथियारों से मेरे ऊपर जान से मारने की नियत से हमला किया। जिससे मेरे शरीर में गंभीर चोट आई है। पीड़ित ने उक्त आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए भेजने के साथ मामले की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया था। रविवार को पुलिस ने आरोपी सागर व विककी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

कॉलोनी में सड़क बनवाने की मांग वीडियो वायरल

अथाह संवाददाता
गाजियाबाद। सड़क न बनने के कारण संजय नगर की न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी निवासी 20 से अधिक परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले की शिकायत कई बार नगर निगम के अधिकारियों से की गई है लेकिन सुनवाई नहीं हुई। रविवार को स्थानीय निवासी कामिनी शर्मा ने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो वायरल कर नगर निगम के अधिकारियों और महापौर आशा शर्मा से समस्या के निदान की मांग की। कामिनी शर्मा ने बताया कि मुख्य सड़क कॉलोनी की सड़क से ऊंची है। कालोनी की नाली भी नाले से नीची है। जिस कारण पानी की निकासी नहीं हो पाती है। मोटर और पाइप की मदद से कालोनी की नाली से पानी को नाले में डाला जाता है। बारिश होने पर कालोनी में जलभराव हो जाता है, ऐसे में लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल होता है। पूर्व में स्थानीय पार्षद अजयवीर चौधरी से समस्या के निदान के लिए कहा गया तो उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण के लिए टेंडर हो चुका है, लेकिन अभी कार्य शुरू नहीं हुआ है। निर्माण विभाग के अवर अभियंता योगेश कुमार का कहना है कि सड़क निर्माण का कार्य किस वजह से रुका, इसके बारे में जानकारी दी जाएगी।

राजीव गांधी की प्रतिमा का किया अनावरण

कायाकल्प
मनोज कौशिक ने सभी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से एक साथ कार्यालय में स्थापित राजीव गांधी की प्रतिमा का अनावरण भी करवाया।

अथाह संवाददाता
गाजियाबाद। कांग्रेस महानगर कार्यालय अब राजीव गांधी भवन के नाम से जाना जाया जिसका विधिवत उद्घाटन रविवार की शाम किया गया। कांग्रेस के पुराने कार्यकर्ता और पूर्व महानगर अध्यक्ष वीके अग्निहोत्री ने रिबन काटकर राजीव गांधी भवन का उद्घाटन किया तथा इसके बाद कांग्रेस महानगर अध्यक्ष मनोज कौशिक ने सभी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से एक साथ कार्यालय में स्थापित राजीव गांधी की प्रतिमा का अनावरण भी करवाया।

बता दे कि चंद्रधर कंपनी वाग स्थित कांग्रेस कार्यालय जो 1932 में निर्माण किया गया था आजादी से पहले और आजादी के बाद से ही कांग्रेस कार्यलय के रूप में चल रहा है बरसो पुराने इस कार्यालय की स्थिति इज्जत होने के बावजूद कभी किसी ने इसको ठीक नहीं कराया हां कभी-कभी वर्षों में रंगाई पुताई जरूर

कराई गई। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष मनोज कौशिक द्वारा जहां महानगर कार्यालय की कायाकल्प की गई, वहीं दीवारों पर प्लास्टर रंगाई पुताई, नए फर्न, नए दरवाजे के साथ-साथ सुंदर आकर्षण भवन की तरह अब कार्यालय दिखने लगा है। वहीं कार्यालय के आंगन में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा स्थापित के

साथ ही भवन का नाम परिवर्तित कर राजीव गांधी भवन कर दिया गया। जिसके बाद अब गाजियाबाद महानगर कांग्रेस कार्यालय राजीव गांधी भगवान के नाम से जाना जाएगा।

इस दौरान महानगर अध्यक्ष मनोज कौशिक पूर्व मंत्री सतीश शर्मा वीर सिंह चौधरी जेके गौर, डॉक्टर संजीव शर्मा, कांग्रेस महिला जिला

लोनी केस: सपा नेता उम्मेद पहलवान को

कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

कार्रवाई

- पुलिस ने रविवार को कोर्ट में पेश किया
- कोर्ट ने उम्मेद को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में डासन जेल भेज दिया

अथाह संवाददाता

गाजियाबाद। लोनी में बुजुर्ग से मारपीट के मामले को सांप्रदायिक रंग देकर सौहार्द खराब करने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार सपा नेता उम्मेद पहलवान को पुलिस ने रविवार को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उम्मेद को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में डासन जेल भेज दिया है। इससे पहले गाजियाबाद पुलिस ने उम्मेद को शनिवार को दिल्ली से गिरफ्तार किया

था। क्राइम ब्रांच ने शनिवार दोपहर उसे दिल्ली स्थित एलएनजेपी अस्पताल के पास से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उम्मेद ने अपनी की गलती स्वीकार कर ली।

क्या था मामला:

लोनी निवासी प्रवेश ने दोस्त आदिल व इंतजार के जरिए बुलंदशहर निवासी बुजुर्ग अब्दुल समद से ताबीज बनवाया था। प्रवेश का कहना था कि डेढ़ साल में पांच लाख रुपये अब्दुल ने लिए, लेकिन ताबीज बेअसर रही। बीते पांच जून को आदिल व इंतजार के जरिए प्रवेश ने अब्दुल को बुलाया व मारपीट कर वीडियो कर बाद में इसे

वायरल किया गया। इसे कई लोगों ने दबीट कर सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की। सपा नेता उम्मेद ने अब्दुल के साथ फेसबुक लाइव से माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। लोनी बारडर थाना पुलिस ने अब्दुल की तहरीर पर उससे मारपीट करने वालों को गिरफ्तार कर उम्मेद के खिलाफ केस दर्ज किया।

खुद को बचाने की कोशिश:

क्राइम ब्रांच में तैनात इंसपेक्टर संजय पांडे की टीम ने शनिवार दोपहर 12 बजे दिल्ली से उम्मेद को गिरफ्तार किया। उम्मेद को सीधे क्राइम ब्रांच

कार्यालय लाया गया, जहां अधिकारियों ने घंटों उससे पूछताछ की। उम्मेद ने बताया कि पुलिस के केस दर्ज करने के बाद वह दिल्ली भाग गया था। यहां अपने करीबियों के घर छिपा रहा। बार-बार वह अपना ठिकाना बदलता रहा। पुलिस के हथ्ये चढ़ने के बाद उम्मेद ने कहा कि अब्दुल के बहकावे में आकर उसने ऐसा किया और उसे अपने किए पर

पछतावा है। पुलिस की जांच में सामने आया है उम्मेद ने खुद ही बुजुर्ग से संपर्क किया था। वह खुद को बचाने के लिए ऐसा बयान दे रहा है।

उम्मेद ने शुक्रवार को आने के लिए कहा तो एसएसपी कार्यालय के बाहर क्राइम ब्रांच की टीम डेरा डाले रही, मगर वह नहीं आया।

फजीवाड़े की धारा बढ़ेगी, खंगाला जाएगा मोबाइल काल रिकार्ड्स:

उम्मेद की गिरफ्तारी होते ही पुलिस ने उसके खिलाफ धाराएं बढ़ाने की तैयारी कर ली है। एसपी ग्रामीण डॉ. ईरज राजा ने बताया कि उम्मेद ने वीडियो से छेड़छाड़ की है। इस पर उसके खिलाफ फजीवाड़े की धाराएं 467, 468 व 471 व आईटी एक्ट की धाराएं बढ़ेगी। उधर, पुलिस उम्मेद का मोबाइल काल रिकार्ड्स खंगाल रही है। बयान में उम्मेद ने पुलिस को कुछ खास नहीं बताया है। सूत्रों का कहना है कि फारेंसिक टीम उम्मेद के वाट्सएप, फेसबुक व ट्विटर पर डिलीट पोस्ट व चैट रिकवर करने में लगी है।

जनप्रतिनिधि ने लिए स्वास्थ्य केंद्र गोद व्यवस्थाओं को जायजा ले रहा है संगठन

योजना

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शताब्दीपुरम, गोविंदपुरम को बलदेव राज शर्मा ने गोद लिया
- पार्षद प्रदीप चौहान ने पीएचसी कैसे व्यवस्थित हो और इसके लिए आगे की कार्य योजना पर ट्रैक्टर व स्वास्थ्य कर्मियों के साथ मिलकर कार्य योजना बनाई

अथाह संवाददाता

गाजियाबाद। भाजपा शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर जनप्रतिनिधियों द्वारा स्वास्थ्य केंद्रों को गोद लेने का आह्वान किया गया था जिसके तहत भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ने कार्य योजना तैयार कर जनप्रतिनिधियों को स्वास्थ्य केंद्र को दिए गए तथा जिसकी व्यवस्था को सुचारु रूप से करने के लिए जनप्रतिनिधियों के साथ महानगर में कार्यक्रम संयोजक भी नियुक्त कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने भेजा। उत्तर प्रदेश में दर्जा प्राप्त मंत्री बलदेव राज शर्मा द्वारा अपने स्वयं के गोविंदपुरम, शताब्दीपुरम स्थित गोद लिए हुए पीएचसी सेंटर पर कार्यक्रम के संयोजक भाजपा महानगर मंत्री धीरज शर्मा के साथ जाकर निरीक्षण किया एवं वहाँ उपस्थित फार्माशिट्ट सरराम एवं अन्य स्टाफ से मुलाकात कर एवं



स्वास्थ्य केंद्र के बारे में चर्चा की तथा वहाँ के स्थानीय लोगों से भी मुलाकात की एवं उनका हाल-चाल जाना।

बलदेव राज शर्मा ने स्थानीय लोगों एवं वहाँ उपस्थित स्टाफ को धरौसा दिलाया कि यह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एक आदर्श प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनेगा ताकि आम नागरिकों को इसका भरपूर लाभ मिले। इसके लिए वह संबंधित अधिकारियों से बात करेंगे।

इसके अलावा भाजपा महानगर मंत्री धीरज शर्मा ने पार्षद प्रदीप चौहान द्वारा गोद लिए गए प्राथमिक स्वाद केंद्र केरु भद्रा प्रेम नगर गौशाला

रोड पीएचसी सेंटर का निरीक्षण किया गया। वहाँ मौजूद डॉक्टर पवन एवं स्वास्थ्य स्टाफ से चर्चा की। पार्षद प्रदीप चौहान ने पीएचसी कैसे व्यवस्थित हो और इसके लिए आगे की कार्य योजना पर ट्रैक्टर व स्वास्थ्य कर्मियों के साथ मिलकर कार्य योजना बनाई।

वही वसुंधरा पार्षद द्वारा गोद लिए गए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र वसुंधरा पीएचसी सेंटर का निरीक्षण किया गया जहां पर भी डॉक्टर और उपस्थित स्टाफ से विस्तृत चर्चा की गई इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक महानगर मंत्री धीरज शर्मा ने सेंटर की व्यवस्थाओं की संपूर्ण जानकारी ली।

समस्या के निदान के लिए कहा गया तो उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण के लिए टेंडर हो चुका है, लेकिन अभी कार्य शुरू नहीं हुआ है। निर्माण विभाग के अवर अभियंता योगेश कुमार का कहना है कि सड़क निर्माण का कार्य किस वजह से रुका, इसके बारे में जानकारी दी जाएगी।

अध्यक्ष पूजा मेहता, पार्षद दल के नेता सत्य प्रकाश सतो, पार्षद जाकिर सैफ़ी, पार्षद राजेश शर्मा, पार्षद विकास खारी, सुनील चौधरी, वीके सिसोदिया, अमित बंटी, कुलभूषण मोनू, मुलायम प्रेमप्रकाश चीनी, मोहित गौर, कासिम प्रधान सहित बड़ी संख्या में महानगर कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नमामि गांगे टीम के साथ जरूरतमंदों को भाजपा महानगर अध्यक्ष ने किया सूखा राशन वितरित



अथाह संवाददाता

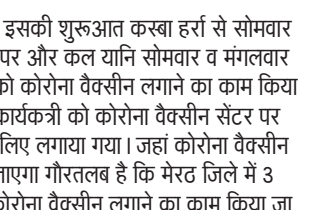
सहिबाबाद। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान के सानिध्य में महानगर के मंत्री संजय रावत के साथ नमामि गांगे टीम ने लाजपत नगर में हनुमान धाम के सामने जरूरतमंदों को सूखा राशन वितरित किया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा जी ने नमामि गांगे टीम के कार्य को सराहा और उन्होंने इसी

तरह से महानगर के लोगों की सेवा करते रहने को प्रेरित किया। इस अवसर पर महानगर मंत्री संजय रावत के साथ राहुल ओझा, शिवम शर्मा, मनीष राजपुत, नरेश कुमार, अंकित राजपुत, भानु प्रताप, मनीष शर्मा, रवि चौहान, कपल कुमार, पवन पाल, बाबू सिंह, सुकांत परीदा, अभिषेक सिंह, सनी शर्मा, सिद्धार्थ वशिष्ठ, पिंटू कोशिक, शशांक बालियान, अमित पाल, निरंजन भाद्राज मौजूद रहे।

फास्ट ट्रैक

आज हर्षा में 20 स्थानों पर लगेगी 18 से ऊपर की उम्र वालों को वैक्सीन

सरधना (अ.सं.)। कस्बा हर्षा में 20 स्थानों पर 18 वर्ष की उम्र से उम्र वालों को कोरोना वैक्सीन लगाने का काम शुरू किया जाएगा। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशी जायसवाल व सुनिसेफ के बीएमसी नजर मोहम्मद ने बताया कि कस्बा सररपुर ब्लॉक क्षेत्र में इसकी शुरुआत कस्बा हर्षा से सोमवार से की जाएगी। जहां करबे में 20 जगहों पर और कल खानि सोमवार व मंगलवार को लगाकर 18 वर्ष से ऊपर के लोगों को कोरोना वैक्सीन लगाने का काम किया जाएगा। इसके लिए आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को कोरोना वैक्सीन सेंटर पर 18 वर्ष उम्र से अधिक लोगों को लाने के लिए लगाया गया। जहां कोरोना वैक्सीन का काम दोनों दिन युद्ध स्तर पर किया जाएगा गौरतलब है कि मेट्रड जिले में 3 ब्लॉक में 18 वर्ष से ऊपर के लोगों को कोरोना वैक्सीन लगाने का काम किया जा रहा है। जिनमें से सररपुर ब्लॉक भी है जहां आज होने वाले वैक्सीनेशन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत लगाई गई है और करबे के गणमान्य लोगों के बुद्धिजीवी वर्ग से कोरोना वैक्सीन में हिस्सा लेने के लिए अपील की गई है।



कैच द रेन अभियान के अंतर्गत परियोजना निदेशक ने किया तालाब का निरीक्षण

सरधना (मेरठ)। रविवार को 'कैच द रेन' अभियान के अंतर्गत रोहटा ब्लॉक क्षेत्र के रासना गांव में तालाब के जीर्णोद्धार के लिए जिला मुख्य विकास अधिकारी के निदेश पर जिला परियोजना अधिकारी की देखरेख में कार्य शुरू कराया गया। इस मौके पर तालाबों से अतिक्रमण हटाकर उनके जीर्णोद्धार कर सौंदर्य करण का काम शुरू किया गया है। शासन स्तर से गांव कस्बों में तालाबों के जीर्णोद्धार के लिए बजट आ जा रहे अभियान 'कैच द रेन' की शुरुआत रोहटा ब्लॉक में रविवार को मुख्य विकास अधिकारी शशांक चौधरी के निदेश पर रासना गांव में की गई। जहां परियोजना निदेशक एमएम व्यास व खंड विकास अधिकारी राजीव वर्मा ने रासना गांव में जाकर तालाबों की हालत जानी। जहां टीम ने गांव में निरीक्षण के दौरान

पाया कि गांव में पूर्व में छह तालाब थे। लेकिन इनमें से ज्यादातर पर अब गांव के लोगों ने अवैध कच्चे जमा कर मकान बनाकर तालाबों का अस्तित्व ही खत्म कर दिया है। टीम को मौके पर दो तालाब चालू हालत में मिले। जिनमें साफ-सफाई और पानी की निकासी नहीं होने का कारण गंदगी बजबज आ रही थी, तो अतिक्रमण भी किंडा जा रहा है। मौके पर टीम को डेड हेक्टयर के करीब तालाब चालू मिले। जिसकी पैमाइश शादी करा कर मौके पर टीम में मौजूद तकनीकी सहायक सत्येंद्र सिंह ने तालाब के जीर्णोद्धार के लिए एस्टीमेट बनाकर सिवाई विभाग के लिए भेजने की बात कही जहां ग्राम प्रधान अमरीश कुमार ने बताया कि तालाब के जीर्णोद्धार के लिए 3 दिन पहले मुख्य विकास अधिकारी से मिले थे।



कांग्रेसियों ने सादगी से मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन बाटे मास्क व फल



नियुक्ति

● रास्ते में सब्जी मंडी में जो लोग बिना मास्क के मिले उन्हें मास्क वितरित करते हुए मास्क लगाने की सलाह दी गई

अथाह संवाददाता

गाजियाबाद। जिला कांग्रेस कमिटी के कार्यालय पर कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा नेता राहुल गांधी का जन्मदिन हार्दिकता से मनाया गया कोविड-19 मारी के कारण राहुल गांधी के निर्देश में इच्छा के कारण केक काटने की रस्म अदा करने के स्थान पर गरीब परिवारों में वरद झुग्गी झोपड़ियों में फलों का वितरण किया गया। रास्ते में सब्जी मंडी में जो लोग

जीपीए की शिकायत पर जिला विद्यालय निरीक्षक ने तीन स्कूलों को भेजे पत्र

गाजियाबाद (अ.सं.)। पेरेंट्स एसोसिएशन की शिकायत का सज्जान लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक ने तीन स्कूलों को भेजे दिशा निर्देश पालन करने का पत्र गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन द्वारा निजी स्कूलों द्वारा शासनादेश की बार-बार अवहेलना कर छात्र/की ऑन लाइन क्लास बंद करने, परीक्षा परिणाम रोकने और अगली क्लास में प्रमोट करने की शिकायत जिला विद्यालय निरीक्षक और जिलाधिकारी से की जा रही है जिस पर अभी कुछ दिन पहले भी जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा 6 स्कूलों को नोटिस जारी किया गया था अब एक बार फिर तीन स्कूलों को दिशा निर्देश पालन करने का पत्र भेजा गया है जिसमें डी. ए. वी. स्कूल ब्रज विहार को बच्चों को ऑन लाइन क्लास शुरू करने और पठन-पाठन से किसी भी दशा में वंचित न करने एवं के. डी. वी. स्कूल, कविनगर और छबील दास स्कूल पटेल नगर को आर्थिक संकट से जुड़ा रहे परिवार की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए फीस माफ करने के लिए पत्र भेजा गया है अब अभिभावकों को प्रतीक्षा है कि क्या स्कूल डी. आई. ओ. एस. कार्यलय द्वारा भेजे गए दिशा निर्देशों का पालन सुनिश्चित करेंगे। गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने पत्र जारी करने के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक का आभार जताया है।

व्यापारियों को राहत देने के लिए मुख्यमंत्री को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने लिखा पत्र



अथाह संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की जिला कार्यकारिणी की एक बैठक आहूत की गई। बैठक में कोरोना काल में जिन साधियों ने अपनी जान गवाई उनको श्रद्धांजलि देते हुए 2 मिनट का मौन रखा गया तथा व्यापारियों की अनेकों समस्याओं से प्रदेश के मुख्यमंत्री को अवगत कराने के लिए पत्र लिखा। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रेम लाल ने ने बताया कि सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग की कि लोकडाउन पीरियड के बिजली की बिल माफ किए जाएं। लोक डाउन पीरियड की बैंक ईएमओ आई 0 का ब्याज माफ किया जाए। नगर निगम गाजियाबाद द्वारा हाउस टैक्स वृद्धि को तत्काल वापस लिया जाए।

सौबेड के अस्पताल के लिए मकनपुर में विधायक, मेयर स्वास्थ्य व निगम अधिकारियों ने किया निरीक्षण

दौरा

- इंदिरापुरम मकनपुर की जमीन को अस्पताल के लिए उपयुक्त पाया
- नगर निगम बोर्ड बैठक में अस्पताल के लिए जमीन देने का प्रस्ताव रखा जाएगा
- पास होने के बाद शासन को अस्पताल बनाने के लिए निगम द्वारा सूचित किया जाएगा

अथाह संवाददाता

साहिबाबाद। ट्रांस हिंडन क्षेत्र में लंबे समय से अस्पताल की मांग चल रही है जिसके लिए विधायक सुनील शर्मा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा फोटो बेड का अस्पताल बनाने की मांग थी तथा विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान



अस्पताल की मांग थी। इसी कड़ी में शासन द्वारा नगर निगम को जमीन उपलब्ध कराने के लिए कहा गया था जिसके बाद शनिवार को विधायक सुनील शर्मा महापौर आशा शर्मा नगर निगम के अधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने मकनपुर में अस्पताल के लिए जमीन का मौके पर मुआयना किया। इस दौरान महापौर आशा शर्मा और विधायक सुनील शर्मा ने नगर निगम के अपर नगर आयुक्त आरएन पांडे तथा मुख्य चिकित्सा



अधिकारी नरेंद्र गुप्ता से भूमि के बारे में चर्चा की और इंदिरापुरम मकनपुर की जमीन को अस्पताल के लिए उपयुक्त पाया। इस दौरान साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र के कई पार्षद भी मौजूद रहे। जमीन के निरीक्षण की जानकारी देते हुए महापौर आशा शर्मा ने बताया कि सभी लोगों की दृष्टि में तथा नगर निगम व स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी जमीन अस्पताल के लिए उपयुक्त पाया है इसलिए नगर निगम बोर्ड बैठक में अस्पताल के लिए जमीन देने का

प्रस्ताव रखा जाएगा तथा पास होने के बाद शासन को अस्पताल बनाने के लिए निगम द्वारा सूचित किया जाएगा। इस दौरान स्थानीय पार्षद कपिल त्यागी, संजय सिंह, अभिनव जैन, मंजुला गुप्ता, सुनीता नागपाल, पवन रेड्डी, आशुतोष शर्मा, हरीश चंद्र शर्मा, प्रेम त्यागी, विरेंद्र त्यागी मौजूद रहे।

क्षेत्र के लोगों को मिलेगा लाभ

विधायक सुनील शर्मा ने बताया कि उन्हीं के प्रयास के बाद प्रदेश सरकार भी चाहती है कि साहिबाबाद क्षेत्र में सौ बेड का अस्पताल बने जिसके लिए जमीन का मुआयना किया गया है निगम की कार्यवाही के बाद शासन द्वारा अस्पताल का निर्माण किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के लोगों को लाभ मिलेगा।

पर्यावरण संरक्षण के लिए महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान के द्वारा एक पहल की पूरे प्रदेश में चर्चा



पर्यावरण संरक्षण

- अलग अलग तरह के आम, अमरुद, नीम, जामुन फल के पेड़ लोको के जन्मदिन पर लगाये जा रहे हैं

अथाह संवाददाता

साहिबाबाद। भाजपा महामंत्री पप्पू पहलवान के द्वारा राधा कृष्णा पार्क में डॉक्टर सुरेश कसाना जन्मदिन पर आम का पौधा भेंट किया और वृक्षारोपण करके एक बड़ा सराहनीय प्रयास किया गया है। अलग अलग तरह के आम, अमरुद, नीम, जामुन फल के पेड़ लोको के जन्मदिन पर लगाये जा रहे हैं। महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान ने बताया की अगर क्षेत्र में किसी भी

बच्चे का जन्मदिन अथवा माता-पिता की विवाह वर्षगांठ निकट भविष्य में आ रही है तो उस तिथि से उन्हें अवगत कराएं, पर्यावरण बचाने का ये एक प्रयास है की उन लोगों को जन्मदिन या विवाह वर्षगांठ पर एक पौधा भेंट के रूप में दें ताकि वह सज्जन उस पौधे अथवा वृक्ष का रोपण करें साथ में लोग भी सम्मिलित हों। इसी आशय से पर्यावरण भी बचेगा और वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी होगा। आज इस उपलक्ष्य पर राधा कृष्णा पार्क सोसाइटी के अध्यक्ष महकार कसाना, सुमित कसाना महासचिव देवेन्द्र चौहान, किरणपाल मावी, वाई अध्यक्ष भूषण लाल मुनीश कसाना दीपा नौटियाल सारिका राधा रावत सारिका अग्रवाल दीपिका शर्मा सुमन सती प्रेम त्यागी प्रतीक माथुर मीडिया प्रभारी उपस्थित रहे।

मोदीनगर के निवाड़ी में पानी की सप्लाई न होने से लोग परेशान

अथाह संवाददाता

मोदीनगर। नगर पंचायत निवाड़ी में पानी की सप्लाई ना होने लोग परेशान हैं इसान तो इसान पशुओं को भी पानी ना मिलने से हो रही है परेशानी। किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने नगर पंचायत निवाड़ी पर धरना प्रदर्शन की दी चेतावनी।

किसान यूनियन के मेरठ मंडल उपाध्यक्ष सत्येंद्र त्यागी ने बताया कि नगर पंचायत निवाड़ी में करीब चार दिन से सरकारी पानी की टंकी से पानी न आने से कस्बे के कई सो परिवार पानी न आने से परेशान हैं। किसानों को अपने पशुओं को पानी न मिलने से पशुओं को पानी पिलाने में बड़ी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है कस्बे में न जाने कितने गरीब परिवार ऐसे हैं जिनके घरों में हैन्डपम्प न होने के कारण महिलाओं को काफी दुर से पानी लाने



में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अगर जल्द से जल्द सरकारी टंकी का पानी की सप्लाई चालू न की गई तो भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी व नगर पंचायत निवाड़ी के किसान, मजदूर व व्यापारी व कस्बे की महिला नगर पंचायत

निवाड़ी पर धरना प्रदर्शन करने को हो जायेंगे मजबूर। सतेन्द्र त्यागी मेरठ मंडल उपाध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन, मनोज त्यागी मोदीनगर विधानसभा अध्यक्ष, विनोद त्यागी मोदीनगर विधानसभा उपाध्यक्ष, मदनलाल फौजी, सुंदरलाल फौजी, उमरदीन खा, आशीष गोयल, पप्पू स्टामप विक्रेता, रविन्द्र त्यागी, राजन त्यागी, सचिन त्यागी आदि।

ग्राम पंचायतों में समितियां गठित अब शुरू हो सकेंगे विकास कार्य

अच्छी खबर

- अब जिले की सभी 161 ग्राम पंचायतों में समितियों के गठन का कार्य पूरा हो गया है

अथाह संवाददाता

गाजियाबाद। जिले के चारों ब्लाक की कुल 96 ग्राम पंचायतों में विकास कार्य के लिए छह-छह समितियों का गठन किया गया है। इसके साथ ही अठारह जिले की सभी 161 ग्राम पंचायतों में समितियों के गठन का कार्य पूरा हो गया है। जल्द ही विकास कार्य शुरू करवाए जाएंगे। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के बाद ग्राम पंचायत सदस्यों की संख्या दो तिहाई बहुमत से अधिक होने के मानक पूरे होने पर जिले की 161 ग्राम पंचायतों में से सिर्फ 65 ग्राम पंचायतों में ही समितियों का गठन किया गया था। इसके बाद उप चुनाव हुए, जिसमें ग्राम पंचायत सदस्यों की बिल 1,046 सीटों में से 1,040 सीटों पर ग्राम पंचायत सदस्य चुने गए। ग्राम पंचायत सदस्यों की संख्या पूरी होने पर रविवार को समितियों का गठन किया गया है। प्रत्येक ग्राम



पंचायत में गठित छह समितियों के नाम

- प्रशासनिक समिति
- नियोजन एवं विकास समिति
- शिक्षा समिति
- निर्माण कार्य समिति
- स्वास्थ्य एवं कल्याण समिति
- जल प्रबंधन समिति समितियों के कार्य

समितियों के सचिव होंगे ग्राम पंचायत विकास अधिकारी : ग्राम पंचायत के प्रधान को नियोजन एवं विकास समिति, प्रशासनिक समिति तथा शिक्षा समिति का सभापति बनाया गया है। निर्माण कार्य समिति, स्वास्थ्य एवं कल्याण समिति तथा जल प्रबंधन समिति के सभापति का चुनाव ग्राम पंचायत के सदस्यों द्वारा पूर्ण होने पर रविवार को समितियों का गठन किया गया है। सभी समितियों में सभापति के अलावा छह

निर्वाचित सदस्य हैं। इनमें एक महिला व एक अनुसूचित जाति/जनजाति तथा एक पिछड़े वर्ग का सदस्य है। समिति के सदस्यों का चुनाव ग्राम पंचायत के सदस्यों द्वारा अपने में से किया गया है। समिति की बैठक माह में कम से कम एक बार अवश्य होगी। समितियों के सचिव ग्राम पंचायत विकास अधिकारी होंगे। समितियों के कार्य: ग्राम पंचायत में बनी छह समितियों में प्रशासनिक समिति के अधीन ग्राम पंचायतों के नियंत्रण में कार्यरत कार्यों से संबंधित कार्य और राशन की दुकानों से संबंधित

क्या कहते हैं अधिकारी...

रविवार को शांतिपूर्ण तरीके से 96 ग्राम पंचायतों में समितियों का गठन कर दिया गया है। अब समितियों के प्रस्ताव पर गांव में विकास कार्य शुरू करवाए जाएंगे।

- अनिल त्रिपाठी, जिला पंचायत राज अधिकारी।

दंडात्मक प्रावधानों के साथ लागू हो जनसंख्या नियंत्रण कानून

अथाह संवाददाता

गाजियाबाद। जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चौधरी तथा प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून बनाने की मांग की। जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चौधरी व प्रदेश के अध्यक्ष गजेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि जनसंख्या समाधान फाउंडेशन द्वारा प्रदेश के 57 जिलों से लगभग 10 हजार पन्नों को लोगों से हस्ताक्षर करा कर भेजा गया था। उन्होंने कहा कि आप को ध्यान दिलाना हमारा कर्तव्य है कि आपसे आग्रह किया गया था कि जनसंख्या नियंत्रण कानून पूरी शक्ति और कड़े दंडात्मक प्रावधानों के साथ धर्म आदि से ऊपर उठकर प्रदेश के सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दंडात्मक प्रावधानों के बिना यह कानून कुछ वर्षों को विपरीत ढंग से प्रभावित करेगा।

फास्ट ट्रैक

रघु पापिष्ठा वर्ग के महानगर उपाध्यक्ष सतार मालिक मनोनीत



गाजियाबाद (अ.सं.)। समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग का महानगर उपाध्यक्ष सतार मालिक को मनोनीत किया गया है, जिसकी जानकारी महानगर अध्यक्ष के पी यादव ने दी। सपा पिछड़ा वर्ग महानगर अध्यक्ष के पी यादव ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर राजपाल कश्यप के निर्देश पर जिला अध्यक्ष राशिद मलिक महानगर अध्यक्ष राहुल चौधरी जिला उपाध्यक्ष

मनमोहन झा गामा और पार्षद कल्लन की संस्तुति पर शहीद नगर निवासी सतार मालिक को महानगर में उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। इस दौरान मोनु यादव, पिंटू यादव, जसवीर यादव, साबिर चौधरी, नसीम अहमद, मुकेश सिद्धीकी, शाहरुख सिद्धीकी, गुलशन मंसूरी, अली कुरेशी, जाफर, गफ्फार मलिक, साबिर मलिक मौजूद रहे।

समग्र भारत ट्रस्ट ने जब जब तक योग पहुँचाने का लिया संकल्प

गाजियाबाद (अ.सं.)। कोरोना महामारी जिसमें हर कोई परेशान है ऐसी विकट परिस्थिति में समग्र भारत ट्रस्ट द्वारा एक अनूठी पहल की गयी है, जिसमें यह लक्ष्य रखा गया है कि योग को जन जन तक पहुँचाया जाए और योग दिवस को वास्तविक अर्थ में सफल बनाया जाए राष्ट्रीय योग साधक धनरिंह मीना के सहयोग से भिन्न भिन्न जगहों पर योग को योग के विषय में जागरूक किया जा रहा है की किस प्रकार ओकसीजन लेवल को बढ़ाया जा सकता है आँखों की रोशनी शुद्ध होना का दर्द सीने में दर्द आदि समस्याओं से संबंधित योगासन व प्राणायाम के गुण बताए गये। योग प्रशिक्षक धनरिंह मीना का कहना है कि यदि हम प्रतिदिन योगाभ्यास करें तो बहुत सी बीमारियों को शरीर में प्रवेश करने से रोक सकते हैं। क्योंकि योग साधना आपको प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है इस कारण यदि कोई बीमारी आपको पहले से भी है तो उसको भी आप प्रणायाम/योगाभ्यास से हरा सकते हैं। कोरोना महामारी में भी जिनका ओकसीजन लेवल कम हो गया था उनका ओकसीजन लेवल भी पोर्न पोजिशन के द्वारा बढ़ाया गया जिसे डॉक्टरों द्वारा भी सही बताया गया। समग्र भारत ट्रस्ट के टेकवर्क का कहना है कि हम इस मुहिम को सिर्फ योग दिवस तक सीमित नहीं रखेंगे बल्कि लोगों को स्वस्थ रखने के लिए निरंतर इस मुहिम को चलाते रहेंगे अब तक डेढ़ सौ से ज्यादा लोगों को योग के विषय में समग्र भारत ट्रस्ट द्वारा जागरूक किया जा चुका है।

शालीमार गार्डन में विकास कार्यों का माजपा अध्यक्ष व महामंत्री ने किया उद्घाटन



साहिबाबाद (अ.सं.)। शालीमार गार्डन वाई 78 के राधा कृष्णा मार्ग सोसाइटी में इंटरलॉकिंग और नाली निर्माण के कार्य का उद्घाटन भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा व महामंत्री पप्पू पहलवान ने किया जिसमें वाई अध्यक्ष भूषण लाल, राधा कृष्णा मार्ग अध्यक्ष

दिनेश माथुर, शिव महकार कसाना, रतेश शर्मा, अवधेश गुप्ता, संजय गुप्ता, अमित शर्मा, अजय वर्मा, रेशम सिंह, सतिंद्र भंडारी, राजेश, सुमन सती, निशा चौहान, मुनीश कसाना, प्रेम त्यागी, प्रतीक माथुर मीडिया प्रभारी आदि निवासी उपस्थित रहे।

आरडब्ल्यूएस की राष्ट्रीय कांग्रेस नवंबर में होगी

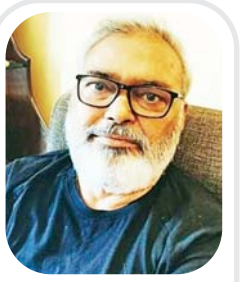
गाजियाबाद (अ.सं.)। रविवार को राजेंद्र नगर इंडस्ट्रियल एरिया में बीते दिनों ही बने संगठन कनेक्टइंडिया ऑफ आरडब्ल्यूएस, उत्तर प्रदेश (कोरवा) ने प्रेस वार्ता कर कहा कि जल्दी ही प्रदेश के 50 जनपदों में शाखाएं खोली जाएंगी। आम जनमानस की मूलभूत समस्याओं को उठाकर राज्य और प्रशासन स्तर पर समाधान किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष पवन कौशिक ने बताया कि 23 नवंबर को भारत सरकार के शहरी विकास मंत्रालय द्वारा गाजियाबाद में आरडब्ल्यूएस की राष्ट्रीय कांग्रेस आयोजित की जा रही है। जिसमें गाजियाबाद के जनप्रतिनिधि राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल और उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री अतुल गर्ग होने वाले राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में सम्मर्भन मिला। संस्था के महासचिव जय दीक्षित ने बताया कि यह संस्था पूरे उत्तर प्रदेश के आरडब्ल्यूएस का नेतृत्व करेगी।

सम्पादकीय



धोखे का टीका

किसी भी आपदा के समय यह उम्मीद की जाती है कि लोग एक दूसरे की मदद इस रूप में करेंगे कि सबके लिए संकट से बाहर निकलना संभव हो सके। लेकिन यह बेहद अफसोस की बात है कि ऐसे समय में भी कुछ लोग मानवीय संवेदना को ताक पर रख कर दूसरों से ठगी और यहां तक कि पीड़ितों की जान से खिलवाड़ करने से नहीं हिचकते हैं। फिलहाल समूचे देश में कोरोना विषाणु के संक्रमण से बचाव के लिए सबसे कारगर उपाय के तौर पर टीकाकरण अभियान चल रहा है। सरकार अलग-अलग स्वरूप में इसे संचालित कर रही है और बहुत सारे लोग उसका लाभ उठा भी रहे हैं। जाहिर है, इसके पीछे लोगों के भीतर अपने जीवन को बचाने की भूख है। लेकिन इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि कुछ लोग इसी मौके को अपने लिए गलत तरीके से कमाई करने का जरिया बना लें। मुंबई में ऐसा ही मामला सामने आया है जिसमें हर जगह चल रहे टीकाकरण अभियान का फायदा उठा कर एक गिरोह ने वहां की एक रिहाइशी सोसाइटी में रहने वालों को अपने जाल में फंसाया और बहुत सारे लोगों को ऐसा टीका लगाया, जिसके बारे में यह निश्चित नहीं है कि उनको कौन-से तत्व थे। गौरतलब है कि इस दुष्कर्म में फिल्म उद्योग से जुड़ी कंपनियों भी फंस गईं, जिनके कई सौ कर्मचारियों ने भी इस तरह टीका लगावा लिया। इसके लिए बाकायदा लोगों से टीके की कीमत भी वसूली गई। लेकिन जब प्रमाण-प्रमाण के माध्यम से सामने आया और कुछ लोगों को इसके असर को लेकर शक हुआ, तब जाकर इसका खुलासा हुआ कि काफी लोग ठगे गए हैं। निश्चित तौर पर यह एक गंभीर आपराधिक गतिविधि है, जिसमें इस बात का खयाल रखना तक जरूरी नहीं समझा गया कि इस धोखे से लोगों की जान जोखिम में पड़ सकती है। यों पुलिस ने इस मामले के पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन यह अपने आप में एक गंभीर सवाल है कि फर्जी तरीके से सैकड़ों लोगों को टीका लगाने वाले अपना काम करते रहे और पुलिस या प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगी। जबकि टीकाकरण की किसी भी गतिविधि के लिए स्थानीय प्रशासन की आधिकारिक अनुमति से लेकर प्रशिक्षित डॉक्टरों की टीम का होना जरूरी है। लेकिन फर्जी तरीके से टीका लगाने का यह काम सार्वजनिक रूप से चलता रहा और किसी का ध्यान इस ओर नहीं गया। यह किसी से छिपा नहीं है कि शरीर में अगर किसी अवांछित रसायन का प्रवेश हो जाए तो उसके दुष्प्रभावों से लेकर मौत होने तक का खतरा पैदा हो सकता है। लेकिन इस बात का खयाल किए बिना महज कुछ पैसे कमाने या ठगी करने के लिए इतनी बड़ी तादाद में लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया गया। कोरोना संक्रमण के खतरों से निपटने के क्रम में यह पहला मौका नहीं है जब कुछ आम लोगों के भय और जीवन बचाने की भूख का शोषण करने की कोशिश की गई। इससे पहले भी दूसरी लहर के चरम के दौर में ऑक्सिजन सिलिंडर और कुछ दवाइयों की कालाबाजारी की खबरें आई थीं। एक ओर इनके अभाव में लोग दम तोड़ रहे थे और दूसरी ओर कुछ संवेदनहीन कारोबारी इसके लिए बेलागाम कीमत वसूल रहे थे।



निशिकांत ठाकुर
लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक हैं

उत्तराखंड सरकार ने कुंभ के आयोजन को टालने के बजाय उसे सीमित करने का फैसला किया। वह पहले तो वहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की कोरोना जांच को भी तैयार नहीं थी, पर जब ज्यादा दबाव बना तो इसके लिए तैयार हो गई।

'अपने' देश में 'बेगाना' होने का दर्द

कुछ समय से भारतीय इतिहास को पढ़ रहा हूँ और समझने की कोशिश में जुटा हूँ। इस क्रम में कभी-कभी जितनी खुशी अपने देश की गरिमा, उसकी उपलब्धियों को जानने से मिलती होती है, उतना ही दुःख और क्रोध उन विदेशी आक्रांताओं, लुटेरों के बारे में जान कर होता है जिन्होंने देश की धन-संपदा को लूटा, हम पर आधिपत्य जमाया, हम भारतीयों का गला काटा। लोग कुछ दिन की ही गुलामी से त्रस्त होकर या तो मृत्यु का वरण कर लेते हैं या संघर्ष करके खुद को इतिहास में अमर कर लेते हैं। ऐसे कई उदाहरण इतिहास में उपलब्ध हैं। हमारा देश एकाध नहीं, सैकड़ों वर्षों तक गुलाम रहा। चाहे मुगल हों, पुर्तगाली हों, फ्रेंच हो या अंग्रेज-सबने सैकड़ों वर्षों तक हमें लूटा, हम पर राज और अत्याचार किए। हम चुपचाप अपने ही घर-देश के होकर भी बेगाने या यूँ कहें कि अपराधी बने सब कुछ सहते रहे। पुर्तगाली जिस समय भारत में घुसे तो इनके एक हाथ में तलवार थी और दूसरे में क्रॉस। लेकिन, जब सोने का ढेर उनके सामने आया, तो उन्होंने क्रॉस को ताक पर रखकर जेबों में सोना भरना आरंभ कर दिया। लेकिन, सोना इतना ज्यादा था जिसे एक हाथ में नहीं उठाया जा सकता था, इसलिए उन्होंने तलवार को भी परे रख दी। बिल्कुल इसी तरह इसी समय यूरोप की दूसरी जातियों के लोग भी भारत आ धमके और उन पर हावी हो गए। इस समय पुर्तगाल और स्पेन में पूर्वी एशिया को हड़प लेने की होड़-सी घंची थी। उस दौर में यूरोप में यही दोनो देश सर्वोपरि थे। पुर्तगाल ने पूर्व की तरफ रुख किया था, जबकि स्पेन ने पश्चिम की तरफ। पुर्तगाल अफ्रीका के आसपास चक्कर काटकर हिंदुस्तान आ पहुंचा था और स्पेन, भारत के भुलावे में अमेरिका जा पहुंचा था। केवल यही बात नहीं है कि



11वीं शताब्दी में मुसलमानों के आक्रमण ज्यादा हुए हैं। इससे बहुत पहले ही कई जातियों का मिश्रण हो चुका था। आर्यों में जातीय एकता जरूर थी, लेकिन भारत में एकमत आर्य भी नहीं हो सके थे। मुगलों के उत्थान से बहुत पहले ही भारत में कई मुस्लिम राज्य स्थापित हो चुके थे जिन्होंने भारतीय राज्यों की राष्ट्रीयता के बंधन को तोड़ दिए थे। कोई राज्य देशभक्ति के नाम पर अपील कर सकने योग्य नहीं था। इसलिए अंग्रेजों के हाथ में भारतीय जन-शासन का अधिकार आना भारतीय जनता का एक विदेशी दासता से निकलकर दूसरी विदेशी दासता में फंसना मात्र था। भारतीय आदिकाल से समझदार रहा है, इसलिए परिस्थितियों उनके जीवन में क्रांति लाती है, लेकिन वह क्रांति से यकायक आहत नहीं होता। इस समय अंग्रेजी जल-सैनिक खुले समुद्र में डाका डालते थे और स्पेन से गुजरने वाले जहाजों को लूट लेने की ताक में रहते थे, जो अमेरिका से सोना या भारत से मसाले लेकर लौट रहे होते थे। इन समुद्री डाकूओं का नेता सर फ्रांसिस ड्रेक था और उसका नाम 'समुद्री कुत्ता' पूरे यूरोप में प्रसिद्ध हो गया था। सर ड्रेक अपने चार शीश्यामी पीतों को लेकर, जिनपर हल्की तोपें चढ़ी हुई थीं, समुद्र में अपने शिकार की ताक में घूम रहे थे। इतने में ही उन्हें एक बेड़ा धीरे-धीरे आगे आता दिखा। ड्रेक ने तुरंत हमला बोल दिया। थोड़े ही प्रयास से बेड़ा उनके काबू में आ गया। बेड़ा पुर्तगाली का था और उन जहाजों में मसाला भरा था। ड्रेक प्रसन्न हो गया। लेकिन, उस समय वह और उसके साथी प्रसन्नता से नाच उठे, जब उनके हाथ भारत का एक मानचित्र लग गया। यह पूर्व में अंग्रेजों-द्वार की चाबी थी, जिसने अंग्रेजों के लिए भारत का दरवाजा खोल दिया। ज्यों ही इन तथाकथित साहसिक जनों को पता लगा कि पूर्व की चाबी उन्हें मिल गई है, वे भारत में आने और यूरोप के दूसरे देशों के आदिमियों की भांति मालामाल होने को बेताब हो उठे। भारतीय जलमार्ग के नक्शे मिलने के तीस साल बाद सन् 1608 में पहला अंग्रेजी जहाज 'हेक्टर' सूरत की बंदरगाह पर आकर लगा। उस दिनों सूरत का बंदरगाह भारतीय विदेश व्यापार का बहुत बड़ा केंद्र हुआ करता था। जहाज का कप्तान हाकिंस था। वही पहला अंग्रेज था

जिसने पहली बार भारत की भूमि को स्पर्श किया। इसके बाद उन्होंने व्यापार करने के लिए एक कंपनी के गठन किया और उसका नाम रखा 'दी गवर्नर एंड कंपनी ऑफ मर्चेंट्स ऑफ लंदन ट्रेडिंग द्रि इंस्ट इंडीज'। आगे चलकर यही कंपनी 'ईस्ट इंडिया कंपनी' के नाम से प्रसिद्ध हुई। विभिन्न देशों के दुर्लभ प्रहार यदि किसी देश ने झेला है तो वह भारत है। किसी विदेशी आक्रांताओं को भारतीय मानव मूल्यों, उसके संस्कार उसकी मानवीय संवेदनाओं, आचार-विचार से क्या लेना-देना। उसका उद्देश्य तो मात्र यही था कि किसी प्रकार भारत के सोने के खजाने को लूटा जाए। इसीलिए वह हमें लूटने भी थे और अपनी लूट में हुए खर्च को तरह-तरह की यातना देकर हमसे ही वसूलते भी थे। कल्पना कीजिए, कितने जुलूमों को हमने झेला है, हमारे पूर्वजों ने झेला है। हम जिस अखंड भारत की बात करते-सुनते हैं वह तो आजादी के बाद हमारे नेताओं ने हमारी आजादी के नाम पर अपने को शहीद कराने वाले शहीदों का बनाया हुआ है। आजादी के बाद तक हम खंड-खंड में विभाजित थे, अपने-अपने कुनवे से अपना शासन चलाकर अपने को राजा-महाराजा कहलाने में गर्व महसूस करते रहे। फिर जब कोई कठिन समय आता था और जो हमसे शक्तिशाली होता था, उनके आगे नतमस्तक होकर उनकी गुलामी करते रहते थे। कहां था उस समय अखंड भारत? वह तो आजादी के बाद हमारे मूर्धन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अंग्रेजों की गुलाकरी किया। जहां सारे पांच सौ राजा-महाराजाओं का शासन हो और कोई संपूर्ण देश को नेतृत्व देने वाला न हो, वह न तो देश था, न राज्य। हम उनके प्रति नतमस्तक हैं जिन लोगों ने निःस्वार्थ भाव से देश को आजाद कराने में अपना सर्वस्व होम कर दिया, केवल यह सोचकर कि हमारी अगली पीढ़ी आजाद भारत के नागरिक होंगे, उनकी अपनी जमीन होगी... उनका अपना आसमान होगा। इसलिए उनलोगों को जो इस बात पर इतराते हैं, उन्हें कम-से-कम अपने देश के इतिहास का ज्ञान तो होना ही चाहिए। अब यह देश इतना शक्तिशाली है कि हम विश्व में कहीं भी ताल ठोक सकते हैं, क्योंकि हमारे पूर्वजों ने हमारे लिए बहुत कुछ किया है, बहुत कुछ छोड़ा है। (गोवा पहले पुर्तगाल का उपनिवेश था। पुर्तगालियों ने गोवा पर लगभग 451 वर्षों तक शासन किया और 19 दिसंबर 1961 में यह भारतीय प्रशासन के अधीन आया। फ्रेंच शासन 1815 में शुरू हुआ और अंत 1 नवंबर 1954 तक जारी रहा। उनका शासन क्षेत्र पाण्डिचेरी, कराईकल, यमन, चंदन नगर था। 24 अगस्त 1608 को व्यापार के उद्देश्य से भारत के सूरत बंदरगाह पर अंग्रेजों का आगमन हुआ था जो 15 अगस्त 1947 भारत की आजादी के दिन तक था। भारत में मुगल वंश का संस्थापक बाबर था। मुगलों का शासन 1526 से 1707 तक माना जाता है।)

आज का इतिहास डे इन हिस्ट्री 21 जून 2021



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर 2015 को दुनियाभर में मनाया गया था।

- मुल्दल सेना ने 1576 में हल्दीघाटी की लड़ाई में राणा प्रताप सिंह को परास्त कर दिया।
- जॉन जेड हॉलवेल के नेतृत्व वाली अंग्रेज सैन्य टुकड़ी ने 1756 में बंगाल के नबाव सिराजउद्दौला के समक्ष आत्मसमर्पण किया। उसी रात हुई एक नृशंस घटना में 123 अंग्रेज कैदियों की मौत हो गयी।
- मेडिकल में बैचलर डिग्री हासिल करने वाले जॉन आचर 1768 में पहले अमेरिकी बने।
- ज्ञानेंद्र मोहन टैगोर हॉलिकिन्स इनहू से वकालत की डिग्री हासिल करने वाले प्रथम भारतीय 1862 में बने।
- संयुक्त राज्य अमेरिका ने 1898 में स्पेन को हराकर गुआम पर कब्जा किया।
- बर्लिन पर 1944 को भाड़ी मात्रा में बमबारी की गई।
- कनाडाई संसद ने 1947 में एकमत होकर शरणार्थियों को देश से बाहर करने का कानून पास किया।
- सी. राजगोपालाचारी 1948 में भारत के अंतिम गवर्नर जनरल बने।
- राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थापना 1949 में हुई।
- एलेन फेयरक्लो ने 1957 में कनाडा की पहली महिला कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली।
- कार्डिनल जियोवानी बैट्टिस्टा मोन्टीनी पोप पॉल षष्ठम 1963 में चुने गए।
- वेस्टइंडीज टीम ने 1975 में पहला वर्ल्ड कप जीतने का गौरव हासिल किया था।
- मुस्तफा बुलेंट एस्विट ने 1977 को तुर्की में सरकार का गठन किया।
- पी.वी.नरसिम्हाराव ने 1991 में भारत के नौवें प्रधानमंत्री बने।
- तमिलनाडु के कुडनकुलम में परमाणु ऊर्जा केंद्र स्थापित करने के लिए 1998 में भारत और रूस 2.5 अरब डॉलर के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- मनमोहन सिंह 1999 में भारत के वित्तमंत्री बने।
- कोसोवो लिबरेशन आर्मी (के.एल.ए.) तथा कोसोवो शांति सैनिक बल के बीच विसैन्यीकरण समझौता
- 1999 में संपन्न हुआ।
- पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशरफ ने 2001 में आतंकवादी विरोधी कानून बहाल किया, अमेरिका मुशरफ के राष्ट्रपति बनने से नाराज।
- जर्मनी सरकार 2002 में बांग्लादेश के राष्ट्रपति बने।

एकदा सृजन से भाग्य

एक बार प्रेमचंद दिल्ली गए हुए थे। वहां उनके सम्मान में आयोजित एक सभा हुई। सभा में एक सरदार जी आए और वहां उपस्थित सभी लोगों से बोले, 'महाशयों! मैं अमृतसर का रहने वाला हूँ। कुछ साल पहले मेरे व्यापार में बड़ा घाटा हुआ, तब मैं अमृतसर में सब कुछ छोड़कर कलकत्ता किसी काम की तलाश में आ गया। मेरी जेब में सिर्फ चार रुपये पड़े थे। मैं जब बाजार में घूम रहा था तो नजर एक बुकस्टाल पर पड़ी। वहां मैंने पत्रिका 'जमाना' की एक प्रति देखी, जिसकी कीमत डेढ़ रुपये थी। मैंने उसे उलट-पलट कर देखा तो उसमें मुंशी जी की एक कहानी छपी थी। मेरी रुचि साहित्य में नहीं है, लेकिन मैं प्रेमचंद जी का प्रशंसक हूँ। पास बचे चार रुपये में से डेढ़ रुपये में मैंने वह प्रति खरीद ली। उस कहानी ने मेरी जिंदगी में जो बदलाव किया कि मैंने वापस व्यापार जमा लिया और खूब पैसे कमाए। आज इसी दिल्ली शहर में रहता हूँ। मुंशी जी मेरे लिए भाग्य-विधाता के समान हैं, उनकी प्रेरणा से मेरा भाग्य पलट गया।' मुंशी जी का व्यक्तित्व ही अपने आप में ऐसा था कि उन्हें देखने वाला व्यक्ति उनकी सादगी और सरलता से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता था। यही सादगी और सरलता उनकी रचनाओं में ईमानदारी से झलकती है।

दुनिया तकनीक का कमाल

चीन अपनी नई-नई तकनीक के जरिये आए दिन दुनिया को चौंकाता रहता है। ऐसा ही एक कारनामा कर उसने फिर सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है, जिस पर लोगों को इसकी करना मुश्किल हो रहा है। दरअसल, चीन ने तकनीक का इस्तेमाल कर 10 मंजिला आलीशान इमारत को महज 28 घंटे और 45 मिनट में तैयार कर दिया है, जबकि आमतौर पर इमारत बनाने के लिए नींव भरने में हफ्ता भर लग जाता है। ऐसे में ड्रैगन के इस कारनामे का वीडियो देखकर लोगों का हैरान होना लाजमी है। जानकारी के मुताबिक, हम सब जल्द से जल्द अपना घर बनाने का सपना देखते हैं, लेकिन घर बनाने में वक्त लगात है। चीन में अब एक दिन में घर बनाने की तकनीक सामने आई है। चीन की एक कंपनी ने महज 28 घंटे और 45 मिनट 10 मंजिला की इमारत बना दी। बिल्डिंग को बनाने वाले ब्रॉड ग्रुप ने सिर्फ एक दिन में एक स्टील अपार्टमेंट बिल्डिंग विकसित करने में कामयाबी हासिल की। डेवलपर्स ने 'लिविंग बिल्डिंग सिस्टम' के रूप में जाना जाने वाला बोल्ट और माइक्रो इकाइयों का इस्तेमाल किया है। चीन के चांगशा शहर में यह कारनामा हुआ है। चांगशा में 28 घंटे और 45 मिनट के अंदर 10 मंजिला आलीशान इमारत बनाकर तैयार दी गई है।

प्रतिदिन आलोक यात्री

कवि एवं वरिष्ठ पत्रकार

सब्र रख जख्म गहरा भी भर जाएगा अंधेरे का यह सिला भी गुजर जाएगा गर्दिश का दरिया अब उतर जाएगा आदमी के भीतर का भी डर जाएगा दुआओं से मेरी लौट हर कहर जाएगा बुरा वक्रत वहीं का वहीं उठेर जाएगा

वीडियो के मुताबिक, प्री-फैब्रिकेटेड कंस्ट्रक्शन सिस्टम टेकनॉलजी के दम पर ब्रॉड ग्रुप 28 घंटे और 45 मिनट में 10 मंजिला अपार्टमेंट का निर्माण किया।



पंडित शिवकुमार शर्मा
आध्यात्मिक गुरु एवं ज्योतिषाचार्य
अध्यक्ष: शिवकुमार ज्योतिष एवं वास्तु अनुसंधान केंद्र, गावाड

अजब-गजब 21 जून होगा 13 घंटे 50 मिनट का सबसे बड़ा दिन

ज्योतिष में सूर्य की गतियों के दो आधार हैं सायन पद्धति और निरयण पद्धति। सायन सौर गणना भूपृष्ठीय आधारित होती है। जबकि निरयण गणना भूकेन्द्रीय आधारित होती है इसलिए दोनों प्रकार की गणना में 23 अंशों का अंतर होता है। निरयण गणना के आधार पर 14 से लेकर 16 तारीख तक सक्रांति बदलती है किंतु सायन गणना के अनुसार प्रत्येक मास की 21 या 22 तारीख को सक्रांति बदलती है। यही सक्रांति हमारे देश के राष्ट्रीय पंचांग में मान्यता प्राप्त है। सायन गणना के अनुसार कर्क सक्रांति इस वर्ष 21 जून को बदल रही है। कर्क सक्रांति से दक्षिणायन आरंभ हो जाएगा अर्थात् सूर्य दक्षिण की ओर गमन आरंभ करेंगे। 21 जून वर्ष का सबसे बड़ा दिन होता है। 21 जून को यह सबसे बड़ा दिन 13 घंटे 50 मिनट का होगा। और इसके बाद क्रम से धीरे धीरे दिन का दिन मान घटता चला जाएगा। सायन की गणना की मकर सक्रांति 22 या 23 दिसंबर को होगी। मकर सक्रांति से उत्तरायण आरंभ हो जाता है इसके बाद से दिनमान बढ़ना आरंभ हो जाएगा। कर्क सक्रांति से मकर सक्रांति तक 6 महीने दक्षिणायन की अवधि होती है। शरदों की मान्यता के अनुसार

सावधान: ऐसे लोगों के लिए नुकसानदायक हो सकता है घी का सेवन

भारतीय आहार में घी का विशेष महत्व है। सदियों से घी को ऊर्जा के बेहतरीन स्रोत और सेहत के लिए तमाम फायदों से युक्त आहार रूप में प्रयोग में लाया जाता रहा है। घी को पवित्र माना जाता है, इसका उपयोग धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ भारत में आहार में वर्षों से किया जाता रहा है। पर क्या घी का सेवन आधुनिक नैदानिक मापदंडों के अनुसार स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है? ऐसा सवाल इसलिए किया जा रहा है क्योंकि हाल ही में वैज्ञानिकों ने घी के कारण शरीर को होने वाले कुछ प्रकार के नुकसान के बारे में बताया है। आधुनिक और आधुनिक चिकित्सा मापदंडों के आधार पर घी के सेवन को लेकर

मातभेद देखा जा रहा है। जहां आयुर्वेद में घी को शरीर के लिए अत्यंत फायदेमंद बताया जाता है, वहीं हाल के अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इससे होने वाली शारीरिक समस्याओं के बारे में लोगों को आगाह किया है। आइए इस लेख में दोनों ही आधार पर घी के सेवन से संबंधित लाभ और हानि के बारे में जानते हैं। साथ ही जानते हैं कि शोधकर्ताओं ने इससे होने वाले किस नुकसान के बारे में सचेत रहने को कहा है? आयुर्वेद की दृष्टि से घी का सेवन: आयुर्वेदिक ग्रंथों में घी को पारंपरिक रूप से खाद्य वसा का स्रोत माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार घी, आयु को बढ़ाने के साथ शरीर को विभिन्न रोगों से बचाने में कारगर है। यह पाचन (अग्नि) को बढ़ाता है भोजन से ऊर्जा प्राप्त करने में भी सहायक है। इससे अलावा आयुर्वेद में घी को ओजस शक्ति में वृद्धि करने के साथ याददाश्त में सुधार करने और मस्तिष्क

की तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। घी का सेवन वात और पित्त को शांत करने में भी काफी प्रभावी माना जाता है। क्या कहता है अध्ययन: यूएस लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन द्वारा प्रकाशित एक अध्ययन में घी के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी नुकसान के बारे में बताया गया है। प्रोफेसर हरि शर्मा, शियाओइंग झांग और चंद्रधर द्विवेदी द्वारा प्रकाशित इस अध्ययन में घी के सेहत पर होने वाले प्रभावों के बारे में बताया गया है। इस अध्ययन में विशेषज्ञ सीरम लिपिड स्तर और माइक्रोसोमल लिपिड पेरॉक्सीडेशन पर घी के प्रभाव को जानने के लिए शोध कर रहे थे। तद्विपरीत घी का सेवन करने से घी का सेवन करने वाले के तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। घी का सेवन वात और पित्त को शांत करने में भी काफी प्रभावी माना जाता है। तद्विपरीत घी का सेवन करने वाले के तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। घी का सेवन वात और पित्त को शांत करने में भी काफी प्रभावी माना जाता है। तद्विपरीत घी का सेवन करने वाले के तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। घी का सेवन वात और पित्त को शांत करने में भी काफी प्रभावी माना जाता है।

प्रेसिडेंशियल सूइट में दिखेगा लोकमवतन जैसा नजारा

निर्माण

- राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जब भी अपने गृह जनपद आते हैं तो उनके ठहरने के लिए निर्धारित जगह नहीं रहती है
- इस वजह से तत्कालीन डीएम विजय विवासा पंत ने प्रेसिडेंशियल हाउस बनाने की योजना बनाई थी। इसके बाद से काम चल रहा है

निर्धारित जगह नहीं रहती है। इस वजह से तत्कालीन डीएम विजय विवासा पंत ने प्रेसिडेंशियल हाउस बनाने की योजना बनाई थी। इसके बाद से काम चल रहा है। वहीं, अवर अभियंता जितेंद्र पाल ने बताया कि लखनऊ स्थित राजभवन की तर्ज पर प्रेसिडेंशियल सूइट की गुंबद बनाई जानी है। इसमें 80 लाख रुपये का खर्च आया। बजट मिलते ही काम शुरू करेंगे।

चारों तरफ दिखाई पड़ेगा हरभरा: प्रेसिडेंशियल सूइट की



अथाह संवाददाता

कानपुर। सर्किट हाउस परिसर में बन रहे प्रेसिडेंशियल सूइट में लोकभवन की तर्ज पर गुंबद बनाने की तैयारी है। इसके लिए 80 लाख रुपये का खर्च आना है। पीडब्ल्यूडी ने बजट के लिए मुख्यालय डिमांड भेज दी गई है। इसके साथ ही कंस्ट्रक्शन का काम भी शीघ्र गति से चल रहा है।

तीन वर्ष से प्रेसिडेंशियल हाउस का निर्माण कार्य चल रहा है। इसे सालभर में पूरा होना था, लेकिन कभी बजट की कमी तो कभी निर्माण एजेंसी की लापरवाही से तय समय में पूरा नहीं हो पाया। जबकि अनुबंध के अनुसार के साल भर में पूरा होना था। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जब भी अपने गृह जनपद आते हैं तो उनके ठहरने के लिए

छत से बाहर देखने पर चारों तरफ हरभरा दिखाई देगा। इसके लिए भी पीडब्ल्यूडी अभियंता सर्वे कर बजट के लिए मुख्यालय भेजा जाएगा।

सर्किट हाउस में लगेगी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा: सर्किट हाउस में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पांच फीट लंबी प्रतिमा लगाई जानी है। प्रतिमा के लिए पीडब्ल्यूडी अभियंता ने आर्डर दिया है।

अलीगढ़: मारपीट में छह घायल

अलीगढ़ (अ.सं.)। सासनीगेट, वार्सी व हरदुआंग क्षेत्र में तीन स्थानों पर मारपीट की घटनाएं हुईं। जिसमें छह लोग घायल हो गए। पहली घटना सासनीगेट क्षेत्र के आगरा रोड पर हुई। यहां कर्क सराय बुर्ज निवासी संजय भाई ऋषिपाल के साथ शनिवार को टैपो से भाड़ा लेकर आगरा गए थे। वापसी में रूसा मेडिकल के पास कुछ डोल-नगाड़े वाले खड़े थे। उन्होंने हाथ दिखा तो संजय ने टैपो रोक लिया। तभी उनमें से किसी ने माविस मागी तो उसने मना कर दिया।

ऐसे हुआ विवाद: आरोप है कि इसी बात को लेकर आरोपितों ने दोनों भाईयों को टैपो से नीचे उतार लिया और मारपीट कर घायल की दिया। वार्सी के मौलाना आजाद नगर निवासी साजिद दिव्यांग है। वह रोजाना की तरह रिवार सुबह साइकिल से मजदूरी करने जा रहा था। तभी सामने से आ रही दूसरी साइकिल सवार नफीस ने उसमें टक्कर मार दी। इसी बात पर नफीस के पिता अनवार व मां मीना आ गए और तीनों ने दिव्यांग साजिद संग मारपीट कर दी। शोर शराबे पर साजिद की मां अफसाना उसे बचाने पहुंचे तो आरोपितों ने मां-बेटे को बेरहमी से मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने दोनों का जिला अस्पताल में डाक्टरों की परीक्षण कराया है। तीसरी घटना हरदुआंग क्षेत्र के गांव सिल्ला में हुई। गांव के नजरउद्दीन का आरोप है कि उन्होंने अपने एक परिचित को 10 हजार रुपये उधार दिए थे।

ट्रेनों में लूटपाट करने वाले

अंतर्राज्यीय गिरोह के चार शातिर बदमाश बागपत में गिफ्तार



अथाह संवाददाता

बागपत। बागपत जिले के बड़ौत में यूपी और हरियाणा में ट्रेनों में लूटपाट करने वाले गिरोह के सरगना समेत चार लुटेरों को जीआरपी ने गिरफ्तार कर लिया है। लुटेरों ने उदयपुर सिटी एक्सप्रेस ट्रेन में यात्री के साथ मारपीट कर लूटपाट की थी। जीआरपी ने लुटेरों के पास से 45 सौ रुपए व लूट के चार मोबाइल बरामद किए हैं। जीआरपी ने चारों को अदालत में पेश किया, जहां से चारों को जिला कारागार भेज दिया है। शातिर लुटेरों के खिलाफ सोनीपत और बड़ौत में 17 मुकदमे दर्ज हैं।

जीआरपी थाना बड़ौत इंस्पेक्टर चतुर सिंह ने बताया कि 11 जून की रात लगभग साढ़े दस बजे ऋषिकेश से उदयपुर सिटी एक्सप्रेस आ रही थी। दिव्यांग कोच में गोंडा जनपद के मनकापुर थाना क्षेत्र के बंजरिया गांव के रहने वाले सोहनलाल वर्मा सो रहे थे। सोहनलाल दिव्यांग नहीं हैं, वे गलती से इस कोच में चढ़ गए थे। इसी दौरान चार बदमाशों ने उनके साथ लोहे की रॉड से मारपीट कर उनसे 10 हजार रुपए की नगदी व बैग छीन लिया और बागपत रोड के पास ट्रेन धीमी होते ही चारों ट्रेन से कूद गए। संभवत वादता को अंजाम कियानुपर बराल और बड़ौत के बीच दिया गया।

मारपीट करके लूटा था:

मुख्यमंत्री के 3टी ट्रेस, ट्रेक और ट्रीट अभियान के साथ-साथ

आंशिक कोरोना कर्फ्यू तथा टीकाकरण से प्रदेश में कोरोना का संक्रमण नियंत्रण में आ रहा है

तैयारी

- मुख्यमंत्री ने टीम-9 की समीक्षा बैठक में सभी प्रदेशवासियों से अपील: अभी भी सावधानी बरतने की आवश्यकता
- 21 जून से आंशिक कोरोना कर्फ्यू में सप्ताह के पांच दिन सुबह 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक छूट दी जा रही है
- कोविड प्रोटोकॉल के साथ इस संबंध में विस्तृत गाइडलाइन्स गृह विभाग द्वारा जारी कर दी गई हैं

अथाह ब्यूरो

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने बताया कि मुख्यमंत्री के 3टी ट्रेस, ट्रेक और ट्रीट अभियान के साथ-साथ आंशिक कोरोना कर्फ्यू तथा टीकाकरण से प्रदेश में कोरोना का संक्रमण नियंत्रण में आ रहा है। प्रदेश में कोविड-19 का संक्रमण अन्य प्रदेशों की अपेक्षा कम है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा आज टीम-9 की समीक्षा बैठक



प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि अभी भी कुछ प्रदेशों में तथा अन्य देशों में कोविड के केस अधिक आ रहे हैं। कोविड-19 का संक्रमण अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, इसलिए कोविड-19 के प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सावधानी बरती जाए। उन्होंने बताया कि कल 21 जून से आंशिक कोरोना कर्फ्यू में सप्ताह के 05 दिन सुबह 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक छूट दी जा रही है।

कोविड प्रोटोकॉल के साथ इस संबंध में विस्तृत गाइडलाइन्स गृह विभाग द्वारा जारी कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि शनिवार एवं रविवार को साप्ताहिक बंदी के दौरान व्यापक तरह पर स्वच्छता, सैनिटाइजेशन एवं फॉर्गिंग की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संक्रमण दोबारा न

बड़े इसलिए कोविड नियंत्रण के लिए जारी किए जा रहे प्रोटोकॉल का सभी लोग पूर्ण रूप

से पालन करें। उन्होंने बताया कि 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जायेगा। लोग घर पर ही रहकर योग करें।

सहगल ने बताया कि प्रदेश में सक्रिय मामले कम होने पर भी कोविड-19 के टेस्टों की संख्या में निरंतर बढ़ोतरी की जा रही है, ताकि संक्रमित व्यक्ति की पहचान करके इलाज किया जा सके। प्रदेश देश में प्रतिदिन सबसे अधिक टीकाकरण करने वाला राज्य है। 21 जून से छह लाख प्रतिदिन टीकाकरण कराये जाने की व्यवस्था की जा रही है। एक जुलाई से प्रतिदिन 10 लाख टीके लगाये जाने का लक्ष्य रखा गया है जिससे कि अगस्त तक सात करोड़ टीकाकरण किया जा सके। उन्होंने बताया कि कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर के दृष्टिगत

प्रदेश में अवस्थापना सुविधा बढ़ाई जा रही है। उन्होंने बताया कि संभावित कोविड की तीसरी लहर के तहत सभी मेडिकल कालेज में 100-100 बेड पीआईसीयू के, हर जिला अस्पताल में 20-20 बेड पीआईसीयू के और कम से कम दो सीएचसी में पीक्यू/नीक्यू के बेड बढ़ाये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री मेडिकल कालेजों में पीक्यू एवं नीक्यू बेड की व्यवस्था की समीक्षा करेंगे।

सहगल ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भी 20 जून से लगभग 03 करोड़ 70 लाख परिवारों को मुफ्त में प्रति यूनिट 05 किलो राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ-साथ प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के तहत माह नवम्बर तक मुफ्त राशन पात्र लोगों को उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश सरकार किसानों के हितों के लिए कृतसंकल्प है और किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उनकी

उन्होंने बताया कि वलस्टर मॉडल ऑफ वैक्सिनेशन एक जुलाई से पूरे प्रदेश में चलाया जायेगा। उन्होंने लोगों से अपील की है कि मास्क का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें, सैनेटाइजर व साबुन से हाथ धोते रहे। टीकाकरण के बाद भी कोविड प्रोटोकॉल का पालन अवश्य करें।

अखिलेश सत्ता के लोभ में अनर्गल बयानबाजी करके जनता को गुमराह कर रहे हैं: सुरेश खन्ना

हमला

- वैक्सिन के नाम पर जनता में भ्रम फैला रहे हैं अखिलेश

अथाह ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के उस बयान को हास्यास्पद बताया है कि प्रदेश में टीकाकरण की रफ्तार धीमी हो गई है। अखिलेश यादव सत्ता के लोभ में अनर्गल बयानबाजी करके जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा यह वह समय है जब योगी सरकार ने टीकाकरण की गति दी है और सभी वर्गों के लिए समुचित व्यवस्था की है। आज स्थिति यह है कि प्रदेश में एक दिन में लगभग साढ़े चार लाख डोज दी जा रही है और 21 जून से प्रतिदिन सात लाख खुराक दी जाएगी। सुरेश खन्ना ने कहा अखिलेश यादव ने शुरू से ही वैक्सिन को लेकर जनता में भ्रम फैलाया है। लोगों को गुमराह करके भाजपा का टीका बताया और स्वयं वैक्सिन ले ली और जनता की जान से खेलने का काम किया।



उन्होंने कहा कि सरकार ने कोल्ड चैन की क्षमता 80000 लीटर से बढ़ा कर सवा दो लाख लीटर कर ली है और एक जुलाई से प्रतिदिन 12 लाख खुराक देने की व्यवस्था कर ली है। अगस्त के अंत तक योगी सरकार दस करोड़ वैक्सिन डोज देने के लिए कृतसंकल्पित है। चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने कहा कि एक जिम्मेदार राजनीतिज्ञ के रूप में अखिलेश यादव से अपेक्षा की जाती है कि वह जनता में वैक्सिन के प्रति जागरूकता फैलाए। उन्होंने कहा कि दुखद है कि अखिलेश सिर्फ अपने कम्परे में बैठकर बयानबाजी में लगे रहते हैं जबकि उन्हें बाहर निकलकर लोगों के बीच जाकर उनकी मदद करना चाहिए।

आरोप-प्रत्यारोप

- खुद भाजपा सरकार की रीति-नीति भी अस्पष्ट है जिससे टीकाकरण विवादों में धिरता जा रहा है
- प्रदेश भर में टीकाकरण में लापरवाही की शिकायतें हो रही हैं

अथाह ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि कोरोना से बचाव में रक्षा कवच के रूप में प्रचारित टीकाकरण की रफ्तार भाजपा की संकीर्ण राजनीति के चलते धीमी हो चली है। प्रदेश भर में टीकाकरण में लापरवाही की शिकायतें हो रही हैं। भाजपा सरकार ने दीपावली तक सबको टीका देने का लक्ष्य घोषित किया पर लगता नहीं कि वह पूरा हो पाएगा। खुद भाजपा सरकार की रीति-नीति भी अस्पष्ट है जिससे टीकाकरण विवादों में धिरता जा रहा है और लोगों की



जिंदगी से खिलवाड़ के हालात पैदा हो रहे हैं। भाजपा कोरोना वैक्सिन को लेकर प्रदेश में सिर्फ राजनीति कर रही है और जनता पिस रही है। उन्होंने कहा तमाम जिलों में टीकाकरण केंद्रों का बुरा हाल है। राजधानी लखनऊ में सरकारी अस्पतालों में वैक्सिन की कमी के चलते लोगों को निराश होकर लौटना पड़ रहा है। रायबरेली में ग्रामीण क्षेत्रों में कामजो पर टीके लग रहे हैं। बदयू के उडानी में 34 गांवों में टीकाकरण शुरू नहीं हो पाया। शामली में मोबाइल टॉर्च की रोशनी में टीका लगाए जा रहे हैं। प्रयागराज में वैक्सिन के दूसरे डोज के लिए स्लॉट बुक नहीं हो रहे हैं। यही

शिकायतें लखनऊ सहित कई अन्य जिलों से भी मिल रही हैं। आजमगढ़ में सगड़ी तहसील के अजमतगढ़ ब्लाक में आबादी ढाई लाख है परन्तु अभी तक 14000 को ही टीके लगे हैं। वाराणसी में टीकाकरण केंद्रों पर अव्यवस्था है। जबसे निजी अस्पतालों में सशुल्क वैक्सिनेशन की अनुमति मिली है, कुछ सरकारी अस्पतालों में लापरवाही बढ़ी है और वहीं के कुछ तत्व प्राइवेट का रास्ता पकड़ने की सलाह देने लगे हैं।

अखिलेश यादव ने कहा समाजवादी पार्टी की शुरू से ही यह मांग रही है कि गरीबों को मुफ्त टीकाकरण की सुचारू व्यवस्था राज्य सरकार को करनी चाहिए। देहाती क्षेत्रों में ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग व्यवस्था न तो व्यवहारिक है और नहीं सुविधा जनक। इसे समाप्त कर आगत का स्वागत होना चाहिए। सरकारी अस्पतालों में जनसुविधा के लिए ज्यादा काउण्टर खोले जाने चाहिए। भाजपा को केवल साधन सुविधा सम्पन्न लोगों की जिंदगी का ही ख्याल रखना छोड़कर गांव-गरीब का भी ध्यान करना चाहिए।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने जारी की मीडिया विभाग की 15 सदस्यीय टीम, मनीष दीक्षित फिर प्रदेश मीडिया प्रभारी बनें

आरोप

- मीडिया प्रभारी के साथ चार सह प्रभारी, दस प्रवक्ता नियुक्त किये

अथाह ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने प्रदेश मीडिया टीम की घोषणा की है। मनीष दीक्षित को प्रदेश मीडिया प्रभारी बनाया गया है। वे अब तक भी मीडिया प्रभारी थे, जबकि हिमांशु दुबे, धर्मेन्द्र राय, प्रियंक पाण्डेय व अभय सिंह को प्रदेश सह मीडिया प्रभारी बनाया गया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव, समीर सिंह, मनीष शुक्ला, हीरो बाजपेयी, आलोक अवस्थी, अशोक पाण्डेय, जुगल किशोर, अनिला सिंह, राकेश त्रिपाठी, प्रशान्त वशिष्ठ, संजय चौधरी, आनन्द दुबे, साक्षी दिवाकर, आलोक वर्मा तथा महामेधा नागर को पार्टी का प्रदेश प्रवक्ता घोषित किया है।



आईटी व सोशल मीडिया टीम भी घोषित

लखनऊ (अ.सं.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री स्वतंत्र देव सिंह ने प्रदेश के आईटी विभाग तथा सोशल मीडिया विभाग की घोषणा की है। कामेश्वर मिश्रा को आईटी विभाग का प्रदेश संयोजक तथा मांगीलाल चौधरी को आईटी विभाग का प्रदेश सह संयोजक घोषित किया गया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने अंकित चन्देल को सोशल मीडिया का प्रदेश संयोजक तथा हनुवर्दी, शशि शेखर सिंह, गौरव वाण्ये तथा सौरभ मरदिया को सोशल मीडिया का प्रदेश सह संयोजक घोषित किया है।

पुलिस की फर्जी नौकरी से खुश होकर सुनील ने पांच साल से

जीजा की जगह साला कर रहा था नौकरी

पुलिस मर्ता फर्जीवाड़ा

- मुरादाबाद आने के बाद आरोपी अनिल ने अपने दोस्त सुनील से मूलाकात करके पीआरपी में ड्यूटी ज्वाइन कराई थी

अथाह संवाददाता

मुरादाबाद। फर्जी नौकरी से पुलिस विभाग की आंखों में धूल झाँकने वाले जीजा और साले में काफी अच्छी तालमेल रही है। दोनों में काफी अच्छी दोस्ती भी रही है। अनिल ने जब सुनील को पुलिस विभाग में फर्जी नौकरी से नवाजा तो सुनील बेहद खुश हो गया। इस फर्जीवाड़े के अंजाम से बेखबर सुनील ने इसी खुशी में अपनी बहन का रिश्ता अनिल के साथ तय कर दिया था। इस रिश्ते के बाद दोनों दोस्त से जीजा और साले बन गए।



पीटीएस मुरादाबाद में तीन माह तक की ट्रेनिंग: मुजफ्फरनगर के खतौला थाना क्षेत्र के दाहोड़ गांव निवासी सिपाही अनिल कुमार का

लिया था। जिसके बाद वह फेल गया था। इसके बाद तीन माह के प्रशिक्षण के लिए पीटीएस मुरादाबाद भेजा गया था। लेकिन यहां पर भी एक विषय में फेल होने के बाद उसे गोरखपुर पीएस में प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यहीं से पास होने के बाद पहली पोस्टिंग बरेली में मिली थी। इसके बाद उसे साल 2016 में मुरादाबाद स्थानांतरित कर दिया गया था। मुरादाबाद आने के बाद आरोपी अनिल ने अपने दोस्त सुनील से मूलाकात करके पीआरपी में ड्यूटी ज्वाइन कराई थी। पुलिस की चर्दी पहनने से खुश होकर सुनील ने अपनी बहन का रिश्ता अनिल के साथ कर दिया था।

इसके बाद दोनों जीजा और साला बन गए। दोनों आरोपियों को ही इसका अंदाजा नहीं था कि वे इस तरह बेनुकाब हो जाएंगे। फिलहाल मामले की जांच जारी है, दोनों के इस बड़े फर्जीवाड़े का खामियाजा अब पूरे परिवार को भुगतना पड़ रहा है। भले की दोनों जेल भेज दिए गए हैं लेकिन उनके परिवार के लोग उनके इस करतूत से शर्मसार नजर आ रहे हैं।

फास्ट ट्रेक

चंपत राय के खिलाफ आपतिजनक बातें पोस्ट करने के मामले में तीन पर केस

बिजनौर (अ.सं.)। बिजनौर जिले में नगीना थाना प्रभारी कृष्ण मुरारी दोहर ने रिवार बताया कि संजय बंसल ने स्वयं को चंपत राय बंसल का भाई बताते हुए तहरीर दी है कि उनके सज्जन में विनीत नाम के व्यक्ति के फेसबुक का स्क्रीन शॉट लाया गया, जिसमें चंपत राय बंसल के खिलाफ अपमानजनक, आपतिजनक और निराधार बातें लिखी गयी हैं। संजय बंसल ने 18 जून को विनीत के मोबाइल पर फोन किया, तो फोन सुनने वाले व्यक्ति ने कहा कि नगीना की एक महिला के कहने पर यह सब लिखा गया है। व्यक्ति ने संजय के साथ फोन पर बातचीत के दौरान आपतिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। थाना प्रभारी ने बताया कि संजय बंसल की तहरीर के आधार पर एक महिला सहित तीन लोगों को विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की गंभीर धाराओं और आईटी कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है तथा जांच शुरू कर दी गई है।



यूपी : बहराइच में खुदाई के दौरान मिली भगवान विष्णु की प्राचीन मूर्ति

बहराइच (अ.सं.)। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के अनवरगंज गांव में रविवार सुबह एक पुराने टीले की खुदाई के दौरान पत्थर से बनी भगवान विष्णु की प्राचीन मूर्ति मिली है। कोतवाली नानपारा के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) संजय सिंह ने बुजुर्ग ग्रामीणों के हवाले से बताया कि रविवार को रामगोपाल मजदूर लगाकर अपनी पट्टे की जमीन समतल करा रहा था, उसी दौरान मजदूरों को टीले की खुदाई में करीब तीन फुट ऊंची व नौ इंच चौड़ी पत्थर की उक्त मूर्ति मिली। उन्होंने बताया कि मूर्ति मिलते ही टीले के पास लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। गांव वालों की सूचना पर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी भीके पर पहुंचे और मूर्ति कब्जे में लेकर उसे तहसील कोषालार में सुरक्षित रखवा दिया गया है। सिंह ने बताया कि प्रशासन प्राचीन मूर्ति मिलने की सूचना पुरातत्व विभाग को दे रहा है इससे पहले बीते 9 जून को बौद्धी थाना क्षेत्र के भदवानी गांव में खजुराहो जैसी कलाकृति, पत्थर की एक प्राचीन मूर्ति खेत से खुदाई में निकली थी।

भाजपा पूरे प्रदेश में मंडल स्तर पर आयोजित करेगी योग शिविर



कार्यक्रम

- प्रदेश के 1918 मंडलों में आयोजित होंगे कार्यक्रम
- पदाधिकारी व कार्यकर्ता 21 जून विश्व योग दिवस पर योग शिविर में पहुंचेंगे

अथाह ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मंडल स्तर पर योग शिविर आयोजित करेगी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह राजधानी लखनऊ में अपने आवास पर योग करेंगे। वहीं प्रदेश महामंत्री (संगठन) सुनील बंसल पार्टी के राज्य मुख्यालय पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ योग-प्राणायाम करेंगे। पार्टी प्रदेश के सभी 1918 मंडलों में योग शिविर आयोजित करेगी। पार्टी के सांसद, विधायक,

मंत्रों, आयोग, निगम, बोर्ड के अध्यक्ष व सदस्यों सहित पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता 21 जून विश्व योग दिवस पर योग शिविर में पहुंचेंगे।

पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं अभियान प्रमुख सलिल विश्वा ने जानकारी देते हुए बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पार्टी सभी मंडलों में कम से कम दो स्थानों पर योग शिविर आयोजित करेगी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह 21 जून को सुबह सात बजे राजधानी लखनऊ में अपने आवास पर योग करेंगे। जबकि पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री सुनील बंसल पार्टी के राज्य मुख्यालय में सुबह सात बजे कार्यकर्ताओं के साथ योग करेंगे। विश्वा ने बताया कि पार्टी के सांसद, विधायक, आयोग, निगम, बोर्ड के अध्यक्ष व सदस्य तथा प्रदेश सरकार के मंत्री, अपनी विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत किसी भी मंडल में आयोजित योग शिविर में शामिल होंगे।

जबकि पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अपने निवास के मंडल में आयोजित योग शिविर में पहुंचकर योग करेंगे। विश्वा ने बताया कि प्रदेश में सभी योग शिविर प्रातः 6 बजे से 8 बजे के बीच सम्पन्न होंगे।

महानगर में 20 स्थानों पर होंगे योग के कार्यक्रम

सभी जनप्रतिनिधि भी लेंगे योग कार्यक्रमों में भाग

आयोजन

- भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा के मार्गदर्शन में महानगर में 20 स्थानों पर विश्व योग दिवस पर योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा

अथाह संवाददाता

गाजियाबाद। 21 जून को विश्व योग दिवस पर गाजियाबाद महानगर में दर्जनों स्थानों पर योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन

कार्यक्रमों में सभी सांसद एवं विधायक भी भाग लेंगे तथा योग करेंगे। भाजपा योग कार्यक्रम के संयोजक एवं महानगर महामंत्री गोपाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा के मार्गदर्शन में महानगर में 20 स्थानों पर विश्व योग दिवस पर योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि केंद्रीय राज्य मंत्री एवं गाजियाबाद के सांसद सेवानिवृत्त जनरल वीके सिंह, इंदिरापुरम के स्वर्ण जयंती पार्क में आयोजित योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके साथ ही राज्यसभा सदस्य अनिल अग्रवाल नवयुग



मार्केट स्थित चाल्मीक पार्क में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। इसी प्रकार प्रदेश के स्वास्थ्य राज्यमंत्री अतुल गर्ग नेहरू नगर थर्ड स्थित जी ब्लॉक पार्क में आयोजित

योग कार्यक्रम में उपस्थित होकर योग करेंगे।

महानगर महामंत्री गोपाल अग्रवाल ने बताया कि मुरादनगर क्षेत्र से विधायक अजीत पाल त्यागी संजय

नगर सेक्टर 23 सी ब्लॉक पार्क में, एमएलसी दिनेश गोयल गोविंदपुरम के आर के पुरम स्थित पार्क में, विधायक साहिबाबाद सुनील शर्मा वसुंधरा सेक्टर 5 स्थित मोहन मीकिन सोसायटी पार्क में, महापौर आशा शर्मा लाल कुआं स्टेडियम एवं

चिरंजीव विहार स्थित सेंट्रल पार्क में, मुरादनगर नगर पालिका चैयरमैन विकास तेवतिया न्यू विजय मंडी मुरादनगर तथा खोड़ा नगर पालिका चैयरमैन श्रीमती रीना भाटी इंदिरापुरम ग्रीन पार्क में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

कोविड की गाइड लाइन का पूरी तरह से किया जाएगा पालन

महानगर भाजपा अध्यक्ष संजीव शर्मा के नेतृत्व में आयोजित विश्व योग दिवस पर होने वाले योग दिवस कार्यक्रम में कोविड-19 की गाइड लाइन का पूरी तरह पालन किया जाएगा सभी बुध अध्यक्ष बुध प्रभारी मंडल अध्यक्ष मंडल प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में योग दिवस कार्यक्रमों में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा।

गंग नहर में डूबी सभी बहनों के शव मिले

दनकौर (अ.सं.)। खेरली स्थित गंग नहर में शुक्रवार को डूबी दोनों सभी बहनों के शव रविवार को चांगोली गांव के नजदीक मिल गए। परिजनों ने दोनों के शवों का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। इसके चलते पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिए। घटना के बाद से पीड़ित परिवार के घर मातम पसरा हुआ है। रवानी गांव निवासी दीपू की बेटी काजल और गुंजन दनकौर क्षेत्र के चांगोली गांव के नजदीक स्थित गंग नहर में शुक्रवार की दोपहर पशुओं को पानी पिलाने गई थीं। इस दौरान उनका पैर फिसल गया और दोनों बहनें गहरे पानी में डूब गईं। लोगों ने दोनों को बचाने का काफी प्रयास किया था लेकिन वह बच नहीं सके। इसके बाद से दनकौर पुलिस और एनडीआरएफ की टीमों दोनों की तलाश में जुटी थीं। रविवार की दोपहर दोनों के शव बरामद हो गए।

गाजियाबाद जिले में 18 स्थानों पर योग शिविरों का आयोजन

आयोजन

- विधायक- चैयरमैन भी करेंगे योग, शहर के साथ ही गांवों में होंगे योग शिविर

अथाह संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद जिले में 18

स्थानों पर योग शिविरों का आयोजन किया जायेगा। इन कार्यक्रमों में पदाधिकारियों के साथ ही विधायक, चैयरमैन एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख भी योग करेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष दिनेश सिंघल ने बताया कि लोनी देहात मंडल के ट्रेनिका सिटी में विधायक नंद किशोर गुर्जर, बलराम नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में लोनी नगर पालिका चैयरमैन रंजीत धामा योग शिविर में उपस्थित

रहेंगे। ब्लाक कृष्णर चौधरी कृषक इंटर कालेज चुड़ियाला, चैयरमैन मोदीनगर अशोक माहेश्वरी सामुदायिक केंद्र निवाड़ी में, विधायक डा. मंजू शिवाच एवं जिलाध्यक्ष दिनेश सिंघल मोदीनगर शहर मंडल के ईएसआई अस्पताल में आयोजित योग शिविर में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी एवं बुध स्तर तक के पदाधिकारी भी योग शिविरों में भाग लेंगे।

निलंबित कांस्टेबल ने साथियों को दी जान से मारने की धमकी

गाजियाबाद (अ.सं.)। रंग और नंबर बदल कर चोरी की कार चलाने के मामले में निलंबित कांस्टेबल ने अपने ही साथी पुलिसकर्मियों को जान से मारने की धमकी दी है। इस संबंध में पीड़ित पुलिसकर्मियों ने सिहानी गेट कोतवाली में तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर के अंधार पर आरोपी कांस्टेबल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सिहानी गेट कोतवाल कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि सिहानी गेट कोतवाली में ही तैनात कांस्टेबल विनीत ने आरोपी कांस्टेबल बिपिन जावला के खिलाफ शिकायत दी है। आरोप लगाया है कि बिपिन जावला ने जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस को दिए

शिकायत में पीड़ित कांस्टेबल विनीत ने बताया है कि बिपिन जावला ने पहली बार 17 अप्रैल को उसे वाट्सएप कॉल कर धमकाया और जाति सूचक शब्द कहे। उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि इसके बाद वह साथियों के बीच उसे बदनाम कर रहा था। हाल में आरोपी बिपिन जावला ने सिहानी गेट थाने के ही एक हेड कॉन्स्टेबल को धमकाया था। विनीत ने बताया कि मोदीनगर में चोरी हुई कार आरोपी बिपिन जावला रंग और नंबर बदल कर चला था। गाड़ी बरामद होने के बाद तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी ने उसे निलंबित करते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। इस कार्रवाई से बिपिन बौखला गया है।

मोबाइल टावर के टेंडर विवाद में टेकेदार व कर्मियों पर हमला गाड़ियां तोड़ी

हिंसा

- आरोपियों ने ऑफिस के बाहर खड़ी तीन गाड़ियों में जमकर तोड़फोड़ की और जान से मारने की धमकी दी

अथाह संवाददाता

गाजियाबाद। मधुवन बापुधाम थाना क्षेत्र के गुलधर औद्योगिक क्षेत्र में कुछ युवकों ने टेंडर बदलने के बाद नए टेंडर धारक व उसके कर्मचारियों के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। पीड़ितों ने किसी तरह ऑफिस में घुसकर शटर बंद कर अपनी जान बचाई। आरोपियों ने ऑफिस के बाहर खड़ी तीन गाड़ियों में जमकर तोड़फोड़ की और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। इस संबंध में पीड़ित ने

तीन लोगों को नामजद करते हुए 13 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। मेरठ के रहने वाले राहुल चौधरी ने बताया कि उन्हें हाल में ही एक नामी मोबाइल कंपनी के टावरों में डीजल भरने का पूरा गाजियाबाद का टेंडर मिला है। उनके टेंडर की यह अवधि रविवार से शुरू हुई है। रविवार को वह गुलधर एंक्लेव स्थित अपने ऑफिस पर तीन कर्मचारियों के साथ बैठे हुए थे। इसी बीच कुछ लोग आए और टेंडर दिलाने वाले रवि चौहान को कार में अगवा करने का प्रयास किया।

राहुल व उनके साथियों ने रवि को बचा लिया। इसके बाद दोपहर में गाड़ियों में भरकर कुछ युवक आए और लाठी डंडों से मारपीट शुरू कर दी। राहुल व उनके साथी ऑफिस में घुस गए और अपनी जान बचाई, आरोपियों ने बाहर खड़ी हुई गाड़ियों में तोड़फोड़ की।

देश में बना देश का ब्रांड

20th Anniversary

SummerCool

C-17 Meerut Road, Industrial Area, Site-3, Ghaziabad, Delhi NCR-201003, India
E-mail: summercoolindia@yahoo.in, Website: www.summercoolindia.com

सबको वैक्सीन मुफ्त वैक्सीन

धन्यवाद मोदी जी!

दुनिया का सबसे बड़ा मुफ्त टीकाकरण अभियान

कोरोना हारेगा, भारत जीतेगा

- आज से भारत में 18 वर्ष की उम्र से ज्यादा के हर व्यक्ति का निःशुल्क टीकाकरण
- अब तक 45 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों के लिए टीके मुफ्त थे
- सरकार द्वारा संचालित टीकाकरण केंद्रों में मुफ्त लगेगी वैक्सीन
- भारत सरकार, सभी राज्यों को मुफ्त टीके उपलब्ध करा रही है
- अब तक 30 करोड़ वैक्सीन डोज दे चुकी केंद्र सरकार
- भारत में तीन टीकों को मंजूरी, कई नए टीके मंजूरी की प्रक्रिया में

टीका लगवाएं, सुरक्षित रहें

- टीके सुरक्षित हैं, अफवाहों पर ध्यान न दें
- रजिस्टर करने के लिए www.cowin.gov.in पर जाएं और टीकाकरण केंद्रों और टीकों पर पूरी जानकारी पाएं
- टीकाकरण के बाद भी कोविड-नियमों का पालन करें

“ केंद्र सरकार आज से हर भारतवासी के लिए मुफ्त वैक्सीन का कार्यक्रम शुरू कर रही है। वैक्सीन अभियान के इस चरण से सबसे बड़ा लाभ गरीबों, मध्यम वर्ग, देश के युवाओं को होगा। हम भारतवासी वैक्सीन लगवाएं और मिलकर कोरोना को हराएं। ”

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

कोरोना को हराना है, अपनी बारी आने पर टीकाकरण जरूर करना है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश